

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं  उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 63 RNI/CHHBIL/44259 |छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक शासन में सुधार के लिए 10-सूत्रीय रोडमैप का प्रस्ताव रखा

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि BRICSकोई ऐसा गुट नहीं है जो किसी के खिलाफ हो। उन्होंने ग्लोबल साउथ के लिए नियम बनाने वाला (रूल-मेकर) बनने की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने ग्लोबल गवर्नंस के लिए 10-सूत्रीय रोडमैप का प्रस्ताव रखा और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में सुधार की मांग की। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 18वें BRICS शिखर सम्मेलन में दुनिया भर के नेताओं को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने ‘विशेषाधिकार के पिरामिड’ को ‘साझेदारी के मंच’ में बदलने पर जोर दिया, जहाँ हर देश की हिस्सेदारी हो और वे अपनी आवाज़ उठा सकें।

मोदी ने कहा कि आज, ग्लोबल साउथ वैश्विक संकटों का सामना करने में तो सबसे आगे है, लेकिन फैसले लेने की प्रक्रिया में सबसे पीछे है। हमें विशेषाधिकार के पिरामिड को साझेदारी के मंच में बदलना होगा, एक ऐसा मंच जहां हर देश की आवाज सुनी जाए, हर सदस्य की भागीदारी हो, और हर कोशिश के केंद्र में मानवता का विकास हो। इसके लिए, मेरा प्रस्ताव है कि हम वैश्विक शासन में सुधार के लिए मिलकर 10 प्रस्ताव तैयार करें, ताकि अगले शिखर सम्मेलन तक उन्हें ‘ब्रिक्स सुधार रोडमैप’ का रूप दिया जा सके।



मोदी ने कहा कि इस रोडमैप को तैयार करते समय, हमें तीन प्रमुख पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना होगा :Representation, Responsiveness, and Rule-making. प्रतिनिधित्व के संबंध में, मैं यह कहना चाहूंगा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार को अब और टाला नहीं जा सकता। इस मामले पर बातचीत एक निश्चित समयसीमा और स्पष्ट परिणामों से जुड़ी होनी चाहिए। इसी प्रकार, वित्तीय संस्थानों के भीतर मतदान शक्ति, नेतृत्व पद और नीतिगत प्राथमिकताएं आज की आर्थिक

वास्तविकताओं के अनुरूप होनी चाहिए। वैश्विक आर्थिक विकास को गति देने वाले देशों को वैश्विक आर्थिक शासन को आकार देने में भी उचित भूमिका निभानी चाहिए। नरेंद्र मोदी ने कहा कि समुद्री यात्री वैश्विक व्यापार में बहुत बड़ा योगदान देते हैं, फिर भी मुश्किल समय में उन्हें अक्सर जरूरी मदद नहीं मिल पाती। मेरा प्रस्ताव है कि हम ‘सीफेरस इमरजेंसी सपोर्ट नेटवर्क’ (समुद्री यात्रियों के लिए आपातकालीन सहायता नेटवर्क) बनाएं। इससे संबंधित देशों के समुद्री अधिकारियों और राजनयिक मिशनों के बीच संपर्क बनेगा, जिससे संकट के समय अलर्ट, चिकित्सा सहायता, परिवार को सूचना देने और लोगों को सुरक्षित निकालने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि तीसरी बात जो मैं कहना चाहता हूँ, वह नियम बनाने से जुड़ी है। भविष्य के वैश्विक नियम तय करने में समान भागीदारी सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। AI, साइबरस्पेस, बाहरी अंतरिक्ष, बायोटेक्नोलॉजी और अहम टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्र न केवल भविष्य के मौकों को आकार दे रहे हैं, बल्कि भविष्य के नियम भी तय कर रहे हैं। हमें ‘ग्लोबल साउथ’ को ‘नियम मानने वाले’ (rule-taker) से ‘नियम बनाने वाले’ (rule-shaper) में बदलने की कोशिश करनी चाहिए।

पीएम नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष भाजपा काशी में सेवा संकल्प अभियान चलाएगी



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के मौके पर, भारतीय जनता पार्टी पूरे काशी क्षेत्र में "सेवा संकल्प अभियान" नाम से एक महीने तक चलने वाला बड़ा जन-संपर्क अभियान शुरू करने जा रही है। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान का मकसद सिर्फ कई कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि बूथ स्तर तक सेवा, सुशासन, गरीबों के कल्याण और विकसित भारत का संदेश पहुंचाना है। इस अभियान का मुख्य आकर्षण काशी से गुजरात के वडनगर तक की बाइक यात्रा होगी। यह यात्रा प्रधानमंत्री के जन्मदिन, यानी 17 सितंबर को काशी विश्वनाथ मंदिर में 10 नदियों का जल चढ़ाने के बाद शुरू होगी और लगभग 20 दिन बाद 7 अक्टूबर को उनके जन्मस्थान वडनगर में समाप्त होगी।

गुरुवार को रोहनिया में बीजेपी काशी क्षेत्र के हेडक्वार्टर में नए चुने गए पदाधिकारियों और क्षेत्रीय कार्यकारी समिति के सदस्यों की बैठक हुई। इसमें क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने अधिकारियों के सामने अभियान की रूपरेखा और कार्यक्रम का ब्लूप्रिंट पेश किया। उन्होंने काशी क्षेत्र के सभी 16 जिलों में इस अभियान को बड़े पैमाने पर चलाने का निर्देश दिया। इस अभियान के तहत 71 विधानसभा

क्षेत्रों, 337 मंडलों और 31,168 बूथों तक पहुंचने की योजना है। बीजेपी ने काशी से वडनगर तक प्रस्तावित बाइक रैली को खास अहमियत दी है। "वडनगर से वाराणसी यात्रा" प्रधानमंत्री के जन्मस्थान और कार्यस्थल को जोड़ने का संदेश देगी। BJYM की अगुवाई में होने वाली यह यात्रा 17 सितंबर को काशी विश्वनाथ मंदिर में 10 नदियों का जल चढ़ाने के बाद शुरू होगी। लगभग 20 दिनों तक चलने वाली यह यात्रा 7 अक्टूबर को वडनगर पहुंचेगी। बीजेपी के लिए यह यात्रा सिर्फ एक बाइक रैली नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन को उनके जन्मस्थान से कार्यस्थल और कार्यस्थल से जन्मस्थान तक जोड़ने वाला एक राजनीतिक-सांस्कृतिक संदेश है।

CPIM ने पूर्व महासचिव सीताराम येचुरी को दी श्रद्धांजलि, संवैधानिक मूल्यों के रक्षक थे

CPI(M) नेताओं ने पार्टी के पूर्व जनरल सेक्रेटरी सीताराम येचुरी की दूसरी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पार्टी के मौजूदा जनरल सेक्रेटरी MA बेबी ने उन्हें भारत की मिली-जुली संस्कृति, संवैधानिक मूल्यों और ‘आइडिया ऑफ़ इंडिया’ (भारत की सोच) के रक्षक के तौर पर याद किया। इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए MA बेबी ने कहा कि येचुरी का निधन न सिर्फ CPIM(A) और वामपंथी आंदोलन के लिए, बल्कि भारत की मिली-जुली संस्कृति को बचाने के लिए काम करने वाली ताकतों के लिए भी एक बड़ा नुकसान था। MA बेबी ने कहा, फ़र्कामेरेड सीताराम येचुरी का निधन हमारी पार्टी और वामपंथी आंदोलन के लिए एक बड़ा झटका था, लेकिन यह उन ताकतों के लिए भी एक बड़ा झटका था जो भारतीय समाज में मिली-जुली संस्कृति को बढ़ावा देना चाहती थीं। वह ‘आइडिया ऑफ़ इंडिया’ और संवैधानिक मूल्यों के रक्षक थे, इसलिए यह सिर्फ CPIM(A) या वामपंथ के नुकसान से कहीं ज्यादा है।

येचुरी की गैर-मौजूदगी में लेफ्ट को हुए राजनीतिक नुकसान का जिक्र करते हुए, बेबी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल में लोगों को गुमराह करने में सफल रही। उन्होंने कहा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनकी गैर-मौजूदगी में पश्चिम बंगाल में पहली बार बीजेपी का मुख्यमंत्री बना-बीजेपी पश्चिम बंगाल के लोगों को गुमराह करने में सफल रही।" बेबी ने केरल में CPI(M)के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट को हुए नुकसान का भी जिक्र किया, जहाँ पार्टी ने लगातार दो बार सरकार बनाई थी। उन्होंने कहा, "इसी तरह, केरल में भी, जहाँ हमारी CPI(M) के नेतृत्व वाली लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट की सरकार दो बार रही थी, हमें नुकसान उठाना पड़ा।" उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने येचुरी की राजनीतिक विरासत और परंपराओं को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। बेबी ने कहा, "आज हमने संकल्प लिया है कि हम कॉमरेड सीताराम येचुरी की परंपरा को आगे बढ़ाएंगे।



CPI(M) के प्रमुख नेता और पार्टी के पूर्व महासचिव येचुरी का सितंबर 2024 में निधन हो गया था। उनकी दूसरी पुण्यतिथि पर पार्टी नेताओं ने लेफ्ट आंदोलन और सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। 12 अगस्त 1952 को चेन्नई में जन्मे येचुरी ने हैदराबाद में स्कूली शिक्षा पूरी की और बाद में उच्च शिक्षा के लिए दिल्ली आ गए। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज में पढ़ाई की और पोस्ट-ग्रेजुएशन के लिए JNU में दाखिला लिया। एक मेधावी छात्र के तौर पर, उन्होंने अर्थशास्त्र में अपनी अंडरग्रेजुएट और पोस्ट-ग्रेजुएट दोनों डिग्रियों में फर्स्ट क्लास हासिल की।

सीताराम येचुरी 1975 में CPI(M)में शामिल हुए। उन्हें आपातकाल के दौरान उनकी राजनीतिक गतिविधियों के लिए गिरफ्तार किया गया था। 1985 में पार्टी की 12वीं कांग्रेस में उन्हें पार्टी की केंद्रीय समिति के लिए चुना गया। येचुरी को 1989 में केंद्रीय सचिवालय और 1992 में पार्टी की 14वीं कांग्रेस में पोलिट ब्यूरो के लिए चुना गया था। उन्हें 2015 में CPI(M) के 21वें अधिवेशन में महासचिव चुना गया था। 2005 से 2017 तक दो कार्यकाल के लिए राज्यसभा सदस्य रहे वे एक प्रभावशाली सांसद थे, जिनके भाषणों और चर्चाओं में भागीदारी को उत्सुकता से देखा जाता था; उन्हें 2017 में ‘सर्वश्रेष्ठ सांसद’ का पुरस्कार भी मिला था।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि ड्रग तस्करोँ को अपनी अवैध संपत्ति का देना होगा हिसाब

हिमाचल प्रदेश। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि ड्रग्स के कारोबार से गैर-कानूनी तरीके से करोड़ों रुपये की संपत्ति बनाने वालों को अब अपनी इस अवैध संपत्ति का हिसाब देना होगा। उन्होंने कहा कि ड्रग्स की तस्करी से बनाए गए आलीशान घर, होटल, दुकानें, जमीन, कैश और महंगी गाड़ियां असल में मेहनती लोगों की कमाई से बनी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, "जिन लोगों ने ड्रग्स बेचकर आलीशान घर बनाए, होटल और दुकानें खरीदीं और महंगी गाड़ियां लीं, उन्हें यह समझना चाहिए कि यह पैसा मेहनती लोगों, गरीबों और उन परिवारों का है जिनके बच्चे नशे की लत के जाल में फँस गए हैं। यह पैसा उन्हीं से लिया गया था और अब इसे वापस वसूला जा रहा है।" उन्होंने ड्रग तस्करोँ के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और लगभग 3.27 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने के लिए नूरपुर पुलिस को बहाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने ड्रग्स के कारोबार के खिलाफ एक बड़ा अभियान शुरू किया है और नशीले पदार्थों की तस्करी से गैर-कानूनी तरीके से बनाई गई संपत्ति को किसी भी कीमत पर अपराधियों के पास नहीं रहने दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने ड्रग्स बेचकर आलीशान घर बनाए हैं, होटल और दुकानें खरीदी हैं और महंगी गाड़ियां ली हैं, उन्हें अब अपनी गैर-कानूनी कमाई का हिसाब देना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसी संपत्ति उन परिवारों की कीमत पर बनाई जाती है जिनके बच्चे इस गंभीर सामाजिक बुराई का शिकार हो जाते हैं।



मुख्यमंत्री ने बताया कि नूरपुर में जब्त की गई संपत्तियों में एक आलीशान घर, जमीन, होटल, दुकानें, गाड़ियां और बैंक खाते शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, "इस कार्रवाई से ड्रग माफ़िया और ड्रग बेचने वालों को साफ़ संदेश जाता है कि हिमाचल प्रदेश में उनके लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार की नीति सिर्फ ड्रग तस्करोँ को गिरफ्तार करने तक सीमित नहीं है।

उन्होंने कहा, "हमारा मकसद पूरे ड्रग नेटवर्क को पूरी तरह से खत्म करना है, जिसमें उसका वित्तीय ढांचा और ड्रग के कारोबार से गैर-कानूनी तरीके से बनाई गई संपत्ति भी शामिल है।" उन्होंने कहा कि पुलिस और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को इस दिशा में सख्त कार्रवाई करने की पूरी आजादी दी गई है और सरकार उन्हें हर संभव मदद दे रही है।" नूरपुर पुलिस जिले में अब तक 17 मामलों में 29.95 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति जब्त की गई है। यह ड्रग माफ़िया के खिलाफ राज्य सरकार की सख्त नीति और ड्रग्स की बुराई को रोकने के लिए पुलिस की प्रतिबद्धता को साफ़तौर पर दिखाता है।

लाल सागर के रणनीतिक द्वीप पर हूतियों का कब्जा, सऊदी की तेल पाइपलाइन बंद

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच एक बेहद खतरनाक मोड़ सामने आया है। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने लाल सागर के दक्षिणी प्रवेश द्वार पर स्थित सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मायूनु (पेरिम) द्वीप पर नियंत्रण कर लिया है। इस घटनाक्रम ने वैश्विक समुद्री व्यापार मार्ग पर तनाव को कई गुना बढ़ा दिया है, जिससे वैश्विक बाजार में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में भारी उछाल आने की आशंका उत्पन्न हो गई है। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार और हूती अधिकारियों, दोनों ने ही बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य में स्थित इस ज्वालामुखीय द्वीप पर कब्जे की पुष्टि की है। यह हाल के वर्षों में हूती विद्रोहियों का सबसे बड़ा क्षेत्रीय विस्तार माना जा रहा है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

हूती विद्रोहियों ने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास कई वर्षों में अपना सबसे बड़ा क्षेत्रीय विस्तार किया है। यह दुनिया के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। इस घटनाक्रम से ईरान को अमेरिका पर दबाव बढ़ाने के लिए दुनिया में तेल और गैस की कीमतें बढ़ाने की अपनी रणनीति को आगे बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इस बीच, सऊदी अरब ने कहा कि उसने उसकी एक पाइपलाइन पर हमले के एक दिन बाद उसे बंद कर दिया।



सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन बंद सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह कदम ‘‘एहतियाती उपाय’’ के तौर पर उठाया गया है। सऊदी विदेश मंत्रालय ने पाइपलाइन पर हमले के लिए इराक से आप कई ड्रोन को जिम्मेदार ठहराया। सरकारी ‘सऊदी प्रेस एजेंसी’ में प्रकाशित एक बयान में सऊदी अरब ने कहा कि वह हमले का जवाब नहीं देगा, ताकि इराक़ी सरकार को ‘‘जरूरी कदम उठाने का अवसर’’ दिया जा सके। इराक़ की सरकार ने हमले की निंदा की और जांच के आदेश दिए। सऊदी अरब और अमेरिका ने जुलाई में इराक़ में ईरान समर्थित मिलिशिया पर बमबारी की थी। उन पर सऊदी तेल प्रतिष्ठानों पर ड्रोन हमलों का आरोप लगाया गया था, जिसकी जिम्मेदारी हूती विद्रोहियों ने ली थी।

जीवन मंत्र

समस्या को पकड़े मत रहो , वह भी आपको

पकड़े नहीं रह सकती

बौद्ध मत की कुछ बातें मुझे बेहद प्रभावित करती हैं . पंचशील , समाधि , प्रज्ञा , विशयना के अलावा जो दर्शन है , उस पर चलने से , समता भाव व दृष्टा भाव रखने से , जीवन में सरलता आ जाती है , किसी तरह के संस्कार (क्रोध , प्रतिशोध , डर , लाभ , हानि इत्यादि इत्यादि) बनाना बंद होने लगते हैं . अनित्य बोध याद दिलाता है , हर परिस्थिति के बदलने का .मैंने बौद्ध मत का अनुसरण करने वाले अपने एक ज्यूनियर स्टाफ को समझाते हुए कहा .वह अपनी परिस्थितियों से बेहद परेशान था और मेरे सामने लगभग रोते हुए उनके बारे में बता रहा था . वैसे अनेक समस्याएं हम सभी के जीवन में आती हैं और अपना समय लेकर चली जाती हैं . उसको समझाने के लिये मैंने उसे



यह कहानी सुनाई . एक बार एक राजा की सेवा से प्रसन्न होकर एक साधू ने उसे एक ताबीज दिया और कहा कि राजन , इसे अपने गले में डाल लो और ज़िंदगी में कभी परेशानी के भंवर में अपने को फंसा पाओ , हर तरफ़ निराशा और हताशा हो तब तुम इस ताबीज को खोल कर इसमें रखे कागज़ को पढ़ना .राजा ने वह ताबीज अपने गले में पहन लिया . एक बार राजा अपने सैनिकों के साथ शिकार करने घने जंगल में गया और अकेला रास्ता भटक गया. घना जंगल और साज़ का समय था , तभी उसे लगा कि दुश्मन के कुछ सैनिक उसके पीछे लग गये. बहुत दूर तक भागने पर भी राजा उन सैनिकों से पीछा नहीं छुड़ा पाया . भूख प्यास से बेहाल राजा को तभी घने पेड़ों के बीच में एक गुफ़ा सी दिखी , उसने तुरंत स्वयं और घोड़े को उस गुफ़ा की आड़ छुपा लिया . दुश्मनों से घिरे हुए अकेले राजा को लगा कि बस , कुछ ही क्षणों में , दुश्मन उसे पकड़ कर मौत के घाट उतार देगे .दुश्मन के हाथ से मरने की जगह उसने खुद का सिर अपनी तलवार से काटने का निश्चय किया कि तभी उसका हाथ अपने ताबीज पर गया और उसे साधू की बात याद आ गई. उसने तुरंत ताबीज को खोल कर कागज को बाहर निकाला और पढ़ा . उस पत्ती पर लिखा था — धैर्य रखें , यह भी कट जाएगा’ . राजा को अचानक ही जैसे घोर अंधकार मे एक ज्योति की किरण दिखी . डूबते को जैसे कोई सहारा मिला. उसे अचानक अपनी आत्मा मे एक अकथनीय शान्ति का अनुभव हुआ. उसे लगा कि सचमुच, यह भयावह समय भी कट ही जाएगा, फ़िर मैं क्यों चिंतित होऊ . अपने प्रभु और अपने पर विश्वास रख उसने स्वयं से कहा कि, हौं, यह भी कट जाएगा. और हुआ भी यही , दुश्मन के घोड़ों के पैरों की आवाज दूर होने लगी और उसे दूढ़ने वाले सेवकों की आवाज़ें आने लगीं . साथियों ,अनेक बार हम यह जानते हुए भी भूल जाते हैं कि सब कुछ स्थायी नहीं है .फ़िर क्यों अपनी मुश्किलों को पकड़कर रोते बैठते हैं ? सफलता और असफलता स्थिर नहीं होती . कम से कम अपनी असफलता की स्थिति में यह भी कट जायेगा (अनित्य बोध) का विचार आपके जीवन में सुलझाव व सहजता लाये , इसी मंगल कामना से आज का यह अंक समापित

मधुर चितलाग्या, संपादक ,पूरब टाइम्स, भिलाई

सार-संक्षेप

श्रीगणेश चतुर्थी पर
14 सितंबर को मांस-मटन की
दुकानें रहेंगी बंद

–निगम स्वास्थ्य विभाग की टीम रखेगी निगरानी, आदेश का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई, दुर्ग। राज्य शासन/स्थानीय शासन विभाग के परिपत्र क्रमांक 906/69/मं./18-3/90 दिनांक 18/05/1990 के प्रावधानों के अनुसार नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा श्री गणेश चतुर्थी पर्व के अवसर पर निगम सीमा क्षेत्र में संचालित समस्त पशु वध गृह एवं मांस विक्री की दुकानों को दिनांक 14 सितंबर, सोमवार को पूर्णतः बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। निगम प्रशासन ने बताया कि गणेश चतुर्थी के धार्मिक एवं पवित्र पर्व को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था लागू की गई है। आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए निगम के स्वास्थ्य विभाग का अमला शहर क्षेत्र में संचालित समस्त पशु वध गृह एवं मांस विक्री की दुकानों पर निगरानी रखेगा। निगम प्रशासन ने संबंधित व्यवसायियों से आदेश का पालन करते हुए 14 सितंबर को अपने प्रतिष्ठान बंद रखने की अपील की है।

दुर्ग में आपसी विवाद के बाद युवक की हत्या

दुर्ग। दुर्ग जिले के रानीतराई थाना क्षेत्र में आपसी विवाद के बाद एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। ग्राम आसोगा में विवाद के दौरान युवक पर सबल से ताबड़तोड़ हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद रानीतराई पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सबल से हमला, 35 वर्षीय युवक की मौत मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम आसोगा में आपसी विवाद के दौरान 35 वर्षीय कामता कोसरे पर आरोपी ने सबल से हमला कर दिया। हमले में कामता गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद उसकी मौत हो गई। मामले में रानीतराई पुलिस ने 26 वर्षीय भूपेन्द्र टंडन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल सबल भी बरामद कर लिया है। आरोपी से हत्या की वजह को लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

भारत सरकार, एमएसएमई- विकास कार्यालय के द्वारा PMS Scheme के अंतर्गत एक दिवसीय national workshop/seminar आयोजित किया गया

पूरब टाइम्स दुर्ग।

देश के सबसे बड़े व्यापारिक संघटन कनफ़ेडरेशन ऑफ़ऑल इंडिया ट्रेडर्स (केट) के दुर्ग से ,संभाग प्रभारी मोहम्मद अली हिरानी , प्रदेश मंत्री प्रकाश आहूजा , प्रदेश मीडिया प्रभारी संजय चौबे , चेयरमेन पवन बड़जात्या , अध्यक्ष प्रकाश सांखला , महामंत्री प्रकाश गोलछा , संयुक्त महामंत्री विनय कश्यप , कोषाध्यक्ष हरीश श्री श्री माल , कार्यकारी अध्यक्ष दर्शन ठाकवानी , युवा अध्यक्ष रवि केवलतानी , युवा महामंत्री आशीष खंडेलवाल , , महिला विंग अध्यक्ष पायल जैन , महामंत्री गुंजा पिंका , कोषाध्यक्ष अमीना हिरानी ने बताया भारत सरकार, एमएसएमई- विकास कार्यालय के द्वारा होटल अमित पार्क भिलाई में PMS Scheme के अंतर्गत एक दिवसीय national workshop/seminar आयोजित किया गया, कार्यक्रम में लगभग 100 एमएसएमई ईकाईयों ने भाग लिया । इसमें विशेष अतिथि एम केट से प्रदेश प्रभारी एमएसएमई मोहम्मद अली हिरानी , लघु उद्योग भारती से सीपी दूबे, वायर एसोसिएशन से अतुल गर्ग, छत्तीसगढ़ चेम्बर से महामंत्री अजय भसीन और बीएसपी से साहिद अहमद उपस्थित थे ।

योंगेश कुमार और बलबीर सिंह ने सर्वप्रथम फूलों के गुलदस्ते एवं गमछे से सभी मनचस्त का स्वागत किया । स्वागत पश्चात उन्होंने एकदिवसीय सेमिनार को शुरू करने लोकेश कुमार परगनिहा, संयुक्त निदेशक को मंच पे आमंत्रित किया ।

1.लोकेश कुमार परगनिहा द्वारा Public Procurement Policy कि जानकारी दी गई ,

उन्होंने बताया की सभी केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (जैसे BSP, Railway, HSCIL इत्यादि) को अपनी कुल वार्षिक खरीद का कम से कम 25 प्रतिशत हिस्सा एमएसएमई (लोकल ऊधमी /उत्पादक)से लेना अनिवार्य किया गया है ।

2. अभिजीत रथ, Consultant के द्वारा ONDC Platform पर एमएसएमई ईकाईयों

की रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया बताई गयी। ONDC (Open Network for Digital Commerce) ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स है। उद्देश्य : इसका मुख्य उद्देश्य बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के एकाधिकार को कम करना और छोटे दुकानदारों व स्थानीय व्यवसायों को डिजिटल बाजार में आगे बढ़ाना है। आवर्श, जेनल मेनेजर, flipkart के द्वारा एमएसएमई ईकाईयों की flipkart में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया एवं कार्यक्रम स्थल पर on boarding की सुविधा प्रदान की गयी।

काम करने का तरीका : यह खरीदार और विक्रेता के बीच एक खुले नेटवर्क की तरह काम करता है, जिससे लोग किसी भी ऐप के जरिए सामान खरीद या बेच सकते हैं।

2. योगेश कुमार, सहायक निदेशक ने GEM (Government e-Marketplace) के बारे में जानकारी दी की यह भारत सरकार का एक ऑनलाइन पोर्टल है, जिसके जरिए सरकारी विभागों और संगठनों के लिए सामान और सेवाओं की खरीद की जाती है।

रोटरी क्लब भिलाई ग्रेटर ने बीपीएल बच्चों के लिए स्थापित की आधुनिक कंप्यूटर लैब

पूरब टाइम्स, भिलाई।

रोटरी क्लब ऑफ भिलाई ग्रेटर (टीएम ओजस्वी 2026-27) द्वारा समाज सेवा की अपनी निरंतर श्रुंखला को आगे बढ़ाते हुए खुसीपार स्थित 'ग्रेट इंडिया टैलेंट फ़उंडेशन स्कूल' में एक आधुनिक कंप्यूटर लैब की स्थापना की गई। इस सराहनीय पहल ने बीपीएल (BPL) परिवारों के 196 विद्यार्थियों के लिए डिजिटल साक्षरता और आधुनिक शिक्षा के द्वार खुल गए हैं, जो उन्हें उच्चतर भविष्य के लिए आवश्यक तकनीकों से तैय करेगा।

इस परियोजना के मेंटर पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन यश जैन रहे, जिनके प्रयासों से यह समन्वय संभव हुआ। वहीं रोटेरियन वैभव जैन, रोटेरियन केतन संघवी एवं रोटेरियन अनुज अग्रवाल ने मुख्य प्रायोजक के रूप में इस डिजिटल क्रांति में अपना विशेष योगदान दिया।

गौरतलब है कि रोटरी क्लब भिलाई ग्रेटर पिछले कई वर्षों से क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों जैसे विभिन्न सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता आ रहा है। वित्त वर्ग के बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में क्लब लगातार समर्पित प्रयास कर रहा है।

क्लब के अध्यक्ष अनंत अग्रवाल एवं सचिव अंशुल अग्रवाल ने प्रायोजकों और सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले समय में भी ऐसे जनकल्याणकारी और शिक्षा-उन्मुखी प्रकल्पों को निरंतर जारी रखा जाएगा।

देर रात बारिश में शहर का दौरा, अरुण वोरा ने कहा— जनता को परेशानी हुई तो जिम्मेदारी तय होगी

दुर्ग। तेज बारिश के बीच जब शहर के कई इलाकों में जलभराव और अव्यवस्थाओं से आम जनता परेशान नजर आई, तब वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा देर रात खुद सड़कों पर उतरे और शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी हालात का जायजा लिया। उन्होंने साफ कहा कि “बारिश के समय जनता को जलभराव और अव्यवस्थाओं के बीच छेड़कर अधिकारी दफ्तरों में नहीं बैठ सकते। वोरा ने शंकर नगर, शक्ति नगर, अग्रसेन चौक तथा पद्मनाभपुर LIC ऑफिस लाइन सहित आसपास के इलाकों का दौरा किया। उन्होंने मौके पर जलभराव, नालियों की स्थिति, पानी निकासी, सड़कों और आम नागरिकों को हो रही परेशानियों का जायजा लिया। कई स्थानों पर बारिश के पानी की स्थिति को देखते हुए वोरा ने मौके से ही संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया और निगम के अमले को तत्काल सक्रिय करने की मांग की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि “जहां जनता पानी और जलभराव से परेशान है, वहां कागजी कार्रवाई नहीं, बल्कि मौके पर तत्काल कार्रवाई चाहिए। वोरा ने कहा कि “शहर की जनता टैक्स और अन्य कर देकर अपनी जिम्मेदारी निभाती है, तो बारिश के समय उसे मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है।” नाली जाम हो, सड़क पर पानी जमा हो या किसी इलाके में जलभराव की स्थिति बने—शिकायत का इंतजार करने के बजाय निगम का अमला खुद मौके पर पहुंचे और पानी निकासी सुनिश्चित करे। उन्होंने निचले इलाकों में विशेष निगरानी रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। वोरा ने कहा कि “बारिश के दौरान अगर किसी परिवार को जलभराव के कारण परेशानी होती है, तो उस समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। वोरा ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि “सिर्फ दफ्तरों में बैठकर बारिश की समीक्षा करने से शहर की समस्या हल नहीं होगी। अधिकारियों को भी मैदान में उतरना होगा और जनता के बीच पहुंचकर वास्तविक स्थिति देखनी होगी।

उन्होंने कहा कि दुर्ग शहर की जनता को हर बारिश में जलभराव, जाम नालियों और खराब पानी निकासी जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना चाहिए। “जहां व्यवस्था में कमी है, वहां उसे तत्काल दुरुस्त करना होगा। जनता की सुरक्षा और सुविधा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। वोरा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश के दौरान शहर के संवेदनशील और निचले इलाकों पर लगातार नजर रखी जाए तथा जलभराव की सूचना मिलते ही निगम का अमला मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि “जनता को बारिश की सूचना और उनकी तकलीफ को अपनी आंखों से देखना ही जनसेवा का वास्तविक अर्थ है। प्रशासन को भी इसी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ काम करना चाहिए।

देर रात तेज बारिश के बावजूद शहर के अलग-अलग इलाकों में पहुंचकर वोरा ने कहा कि “जनता के बीच जाना और उनकी तकलीफ को अपनी आंखों से देखना ही जनसेवा का वास्तविक अर्थ है। प्रशासन को भी इसी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ काम करना चाहिए। इस दौरान “राजकुमार पाली, मोहम्मद सफ़ी (गोल्), राहुल अग्रवाल, राहुल आर गोस्वामी, हर्ष मेश्रम डमरू एवं सुधीर चंदेल” भी उनके साथ मौजूद रहे।

2 सितंबर से बसों की अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी, किराया और ई-बसों के रूट को लेकर नाराज बस संचालक

दुर्ग। बस किराया बढ़ाने और दुर्ग-रायपुर सहित अन्य क्षेत्रों में संचालित की जा रही ई-बसों के रूट को लेकर छत्तीसगढ़ बस महासंघ ने नाराजगी जताई है। बस संचालकों ने अपनी करीब 9 सूचीय मांगों को लेकर 22 सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है।

बस संचालकों का कहना है कि शहर के जिन रूटों पर पहले से ही रोजाना दर्जनों निजी बसें संचालित हो रही हैं, उन्हीं मार्गों पर ई-बसें भी चलाई जा रही हैं। इससे निजी बस संचालकों के सामने यात्रियों और संचालन को लेकर परेशानी बढ़ रही है। महासंघ की मांग है कि ई-बसों का संचालन ऐसे रूटों पर किया जाए, जहां वर्तमान में बसों की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

इसके अलावा बस संचालक किराए में वृद्धि सहित अन्य मांगों को लेकर भी शासन-प्रशासन से चर्चा की मांग कर रहे हैं। महासंघ का कहना है कि लंबे समय से उनकी मांगों का समाधान नहीं होने के कारण आंदोलन का निर्णय लेना पड़ा है।

छत्तीसगढ़ बस संचालक महासंघ के पदाधिकारी प्रकाश देशलहरा ने मीडिया से चर्चा में बताया कि मांगें पूरी नहीं होने पर 22 सितंबर से बसों का अनिश्चितकालीन संचालन बंद किया जाएगा।

मोर मकान मोर आस योजना के तहत आवासों के लिए आवेदन आमंत्रित

–किराये के मकानों में रहने वाले परिवारों को मिलेगा अपना घर, निगम ने जारी की सूचना,

–दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता, आवास आवंटन लॉटरी के माध्यम से होगा

–प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)

अंतर्गत पात्र हितग्राहियों से आवेदन मांगे गए

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत संचालित “मोर मकान-मोर आस” योजना के तहत नगर निगम दुर्ग क्षेत्र में निर्मित एवं निर्माणाधीन आवासों के नियमानुसार प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। भूतल के आवासों का आवंटन प्राथमिकता के आधार पर तथा शेष आवासों का आवंटन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। आवेदकों को निर्धारित पात्रता एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

नगर निगम प्रशासन ने पात्र हितग्राहियों से अपील की है कि वे समय-सीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर योजना का लाभ प्राप्त करें। आवास आवंटन से संबंधित विस्तृत जानकारी नगर निगम दुर्ग के प्रधानमंत्री आवास योजना कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

योजना स्थल का नाम – गोकुल नगर

भूतल – 103

रिक्त आवास की संख्या अन्य – 196

कुल – 299

योजना स्थल का नाम –मौं कर्मा हाईट्स बोर्सो

भूतल – 12

रिक्त आवास की संख्या अन्य – 30

कुल – 42

योजना स्थल का नाम – सरस्वती नगर

भूतल – 63

रिक्त आवास की संख्या अन्य – 339

कुल रिक्त आवास – 565

कुल योग – 743

भूतल – 178

रिक्त आवास की संख्या अन्य –565

कुल टोटल आवास की संख्या –743 है।

BSP के BMDS में ‘एआई एट वर्कप्लेस’ प्रशिक्षण, 23 प्रतिभागियों ने लिया भाग

भिलाई । भिलाई इस्पात संयंत्र के एचआर-एलएंडडी विभाग द्वारा कार्यस्थल पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के व्यावहारिक उपयोग को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों में एआई आधारित कार्यप्रणालियों को अपनाने की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से ‘एआई एट वर्कप्लेस’ विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 07 सितंबर 2026 को भिलाई मैनेजमेंट डेवलपमेंट सेंटर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एचआर-एलएंडडी के कर्मचारियों के साथ ट्रेड अप्रेंटिस एवं ग्रेजुएट अप्रेंटिस सहित कुल 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने किया। उन्होंने तेजी से बदलते कार्य परिवेश में एआई संबंधी कौशल के निरंतर उन्नयन एवं नई तकनीकों के साथ स्वयं को अद्यतन रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कर्मचारियों को युवाओं से सीखने तथा नई तकनीकों को अपनाने में उनकी उत्सुकता, रचनात्मकता एवं डिजिटल दक्षताओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए महाप्रबंधक प्रभारी एवं विभागाध्यक्ष (एचआर-एलएंडडी) संजीव कुमार श्रीवास्तव ने विभाग में एआई के उपयोग से संचालित विभिन्न पहलों एवं गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने विभाग में एआई आधारित कार्यों एवं परियोजनाओं की प्रगति साझा करते हुए कर्मचारियों के बीच एआई संबंधी दक्षताओं के विकास की आवश्यकता को रेखांकित किया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण ‘एआई-आधारित

प्रोजेक्ट शोकेस’ रहा। इसमें बीएमडीसी में पदस्थ ट्रेड अप्रेंटिस एवं ग्रेजुएट अप्रेंटिस ने एआई टूल्स के माध्यम से किए गए विभिन्न व्यावहारिक कार्यों एवं परियोजनाओं का प्रदर्शन किया। प्रस्तुतियों के माध्यम से युवा प्रशिक्षु द्वारा कार्यस्थल से जुड़ी समस्याओं के समाधान, कार्यों के स्वचालन तथा कार्य-दक्षता में सुधार के लिए एआई तकनीक का प्रभावी उपयोग का प्रदर्शन किया गया।

एआई आधारित परियोजनाओं का प्रदर्शन वैभव लक्ष्मी दुबे, नितिन पटेल, कावेरी सिंह, महिमा वाक्कर, रिया गुंतलहरे, गोकुल दास साहू एवं डिकेश्वरी साहू द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान नवीनतम एआई टूल्स एवं उनके कार्यस्थलीय उपयोग से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक प्रदर्शन एवं अभ्यास के माध्यम से विभिन्न एआई टूल्स की कार्यप्रणाली को समझा तथा दैनिक कार्यों में इनके उपयोग की संभावनाओं से परिचित हुए। कार्यक्रम के समन्वयक के. शिवा ने उद्घाटन सत्र का संचालन किया। महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) सौरभ वाणीय ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

सिटी सक्षिप्त समाचार

जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक 15 सितंबर को

धमतरी। जिला पंचायत धमतरी की सामान्य सभा की बैठक 15 सितंबर 2026, मंगलवार को दोपहर 2 बजे जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी।बैठक में जिला पंचायत के विभिन्न विभागों से संबंधित विकास कार्यों, योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, लंबित कार्यों तथा आवश्यक विषयों पर चर्चा की जाएगी। सामान्य सभा में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, जल संसाधन, लोक निर्माण सहित अन्य विभागों से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श किए जाने किया जाएगा। बैठक में सदस्यों द्वारा क्षेत्रीय आवश्यकताओं एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को भी रखा जाएगा। जिला पंचायत के संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को बैठक में आवश्यक जानकारी एवं प्रगति प्रतिवेदन के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में लिए जाने वाले निर्णयों एवं सुझावों के माध्यम से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया जाएगा।

नगर पालिक निगम आयुक्त ने क्षेत्र के सड़को की मरम्मत और निर्माण को लेकर ली महत्वपूर्ण बैठक

बारिश रुकते ही सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्य होंगे शुरू, अक्टूबर मध्य से डामरीकरण का लब्ध अम्बिकापुर । आज नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर के कार्यालय भवन में आयुक्त, नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर विनय अग्रवाल की अध्यक्षता में तकनीकी टीम और सड़क निर्माण कार्य के ठेकेदारों की बैठक ली गई। नगर पालिक निगम अम्बिकापुर क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्यों को गति देने तथा आगामी कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयुक्त ने सभी जोन अभियंताओं को निर्देशित किया कि बारिश रुकते ही ठेकेदारों से समन्वय स्थापित कर स्वीकृत सड़क निर्माण कार्यों में गड्ढा भराई, समतलीकरण तथा प्रावधानित नाली एवं पुलिया निर्माण का कार्य तत्काल प्रारंभ कराया जाए। वहीं, जिन सड़क निर्माण कार्यों के कार्यादेश जारी हो चुके हैं, उनके डामरीकरण का कार्य अक्टूबर माह के मध्य से प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त ने सभी अभियंताओं एवं कार्य एजेंसियों को निर्धारित समय-सीमा में मानक एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के साथ-साथ निर्माण के दौरान यातायात व्यवस्था का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। वर्तमान में नगर पालिक निगम अम्बिकापुर द्वारा लगभग 42 छोटे-बड़े सड़क निर्माण कार्य कराए जाने हैं, जिनमें 36 कार्य अधोसंरचना मद तथा 6 कार्य मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के अंतर्गत शामिल हैं। बैठक में निगम के कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता एवं जोन इंजीनियर सहित कार्य एजेंसियों मेसर्स राधा जीवन प्रोजेक्ट्स, मेसर्स तेजस इन्फ्रस्टेक, श्री प्रकाशचंद राय एवं मेसर्स कालिका कन्स्ट्रक्शंस के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आधार बना जीवन का आधार: कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी की पहल से वृद्ध कृषक की वर्षों पुरानी समस्या की निराकरण

–तकनीकी अड़चनों के बीच पेंसा आधार हुआ अपडेट, 75 वर्षीय वासुदेव गुप्ता को मिली राहत, खुले शासकीय योजनाओं के द्वार

बलरामपुर। पहचान का एक छोटा-सा दस्तावेज जीवन में कितना बड़ा अंतर ला सकता है, इसका जीवंत उदाहरण बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम पंचायत झालपी (पोस्ट-महाराजगंज) के 75 वर्षीय वासुदेव गुप्ता का प्रकरण है। आधार कार्ड न बन पाने के कारण श्री गुप्ता को शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में लगतार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

बीते चार वर्षों में उन्होंने क्षेत्र के लगभग प्रत्येक आधार केंद्र का द्वार खटखटाया और कई बार नामांकन भी कराया, किंतु पावती से स्थिति की जाँच करने पर हर बार तकनीकी कारण बताकर आवेदन निरस्त हो जाता। आधार क्रमांक जारी कराने की आशा में उन्होंने अंबिकापुर स्थित आहार सेवा केंद्र तक की दौड़ लगाई, परंतु परिणाम वही रहा। लंबी भागदौड़ के बाद उनकी उम्मीद धीरे-धीरे क्षीण होने लगी थी। स्थिति ने नया मोड़ तब लिया जब कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी की संवेदनशील पहल पर जिला प्रशासन ने आमजन की ऐसी लंबित शिकायतों को



प्राथमिकता में लेकर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उनके मार्गदर्शन में जिला आधार टीम एवं चिप्स कार्यालय के ई-डीएम, डीसी तथा एमटीओ ने तकनीकी अड़चनों की परत-दर-परत जाँच कर आपसी समन्वय से समाधान का मार्ग निकाला और श्री गुप्ता का आधार कार्ड सफलतापूर्वक बनाकर उन्हें सौंपा गया। वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त होते ही उनके लिए शासन की पात्रतापूर्ण योजनाओं के द्वार खुल गए और दीर्घकाल से चली आ रही आर्थिक व मानसिक कठिनाइयों से उन्हें बड़ी राहत मिली। आधार कार्ड हाथ में आते ही उनके चेहरे पर लौटी संतोष की मुस्कान प्रशासनिक प्रयासों की सार्थकता बयां करती रही। श्री गुप्ता ने जिला प्रशासन के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। आधार अद्यतन हो जाने से अब श्री वासुदेव गुप्ता

शासन की समस्त जनकल्याणकारी योजनाओं का हिस्सा बन सकेंगे। एक कृषक के रूप में वे एपी स्टैक में पंजीयन कराकर सुलभतापूर्वक धान का विक्रय कर सकेंगे तथा कृषक हितैषी अन्य योजनाओं से भी सहजता से जुड़ सकेंगे। इसके साथ ही पेंशन, राशन कार्ड की ई-केवायसी, बैंकिंग सुविधाओं एवं ऋा संबंधी प्रक्रियाओं का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है, जिससे वृद्धावस्था में उन्हें आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का सबल प्राप्त होगा।

उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन का प्रयास केवल एक प्रकरण के निपटारे तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसी व्यवस्था विकसित करने की दिशा में है जहाँ पहचान संबंधी समस्याएँ किसी पात्र हितग्राही के हक में बाधा न बनें। इसी उद्देश्य से आधार नामांकन एवं अद्यतन की सुविधाओं को सुलभ बनाने, तकनीकी कारणों से निरस्त होने वाले प्रकरणों की पृथक पहचान कर उन्हें विशेष प्रयासों से पूर्ण कराने तथा विभागों के बीच सतत समन्वय स्थापित करने पर बल दिया जा रहा है, जिससे वृद्धजन और दूरस्थ अंचलों के नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जिला प्रशासन का यह संवेदनशील दृष्टिकोण अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं की पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

‘आशीर्वाद का दीया’ से जगमगाएगा भूतेश्वरनाथ धाम

–सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को प्रसिद्ध धार्मिक स्थल पर होगा वृहद दीप प्रज्वलन –कलेक्टर रणबीर शर्मा ने अधिकारियों के साथ मंदिर परिसर का किया निरीक्षण –साफ-सफ़ाई और सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ समय पर पूर्ण करने के निर्देश गरियाबंद । सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर को गरियाबंद जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल भूतेश्वरनाथ मंदिर परिसर में वृहद दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को भव्य एवं गरिमापूर्ण स्वरूप देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। इसी क्रम में कलेक्टर रणबीर शर्मा ने आज जिला अधिकारियों के साथ भूतेश्वरनाथ मंदिर परिसर का निरीक्षण कर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर श्री शर्मा ने मंदिर परिसर का भ्रमण कर दीप प्रज्वलन कार्यक्रम के लिए उपयुक्त स्थान, श्रद्धालुओं की सुविधा, साफ-सफ़ाई, विद्युत व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम से पूर्व मंदिर परिसर की व्यापक साफ-सफ़ाई कराते हुए सभी आवश्यक तैयारियां



समय-सीमा में पूर्ण की जाएँ। निरीक्षण के दौरान एसपी वेदव्रत सिरमौर, डीएफओ मयंक पांडे, जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे, नवीन भगत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का रखा जाए विशेष ध्यान

कलेक्टर ने कहा कि भूतेश्वरनाथ धाम जिले का प्रमुख धार्मिक एवं आस्था का केंद्र है। 17 सितंबर को आयोजित होने वाले वृहद दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों के शामिल होने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा, आवागमन, प्रकाश, पेयजल, स्वच्छता एवं सुरक्षा

सितंबर की शाम 7 बजे ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसी क्रम में भूतेश्वरनाथ मंदिर परिसर में भी वृहद स्तर पर दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। दीप प्रज्वलन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा, नेतृत्व एवं समर्पण के प्रति आभार और विकसित भारत-2047 के संकल्प का प्रतीक बनाया जाएगा। कलेक्टर ने कार्यक्रम में अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा आयोजन की व्यापक जानकारी आमजन तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धार्मिक आस्था और जनभागीदारी से जुड़े इस आयोजन को पूरी गरिमा एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया जाए।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत वृहद गृह प्रवेश नए घरों की चौखट पर खिले हितग्राहियों के चेहरे

–कलेक्टर के नेतृत्व में समय–

सीमा में पूर्ण हुए 6,968 आवास, सेवा संकल्प

–कलेक्टर ने दी गृह प्रवेश की

बधाई, कहा – पक्का आवास परिवार की सुरक्षा और सम्मान का आधार

बलरामपुर। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में ग्रामीण विकास एवं आवासहीन जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज हुई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में 01 अप्रैल 2026 से अब तक पूर्ण हुए कुल 6,968 नवनिर्मित आवासों का भव्य एवं सामूहिक गृह प्रवेश कार्यक्रम 11 सितंबर 2026 को पूरे जिले में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित होने वाले सेवा संकल्प अभियान के पूर्व हजारों परिवारों का

अपने स्वयं के पक्के घर में प्रवेश जिले के लिए विशेष उपलब्धि बन गया।

जिले के सभी विकासखंडों में पंचायत प्रतिनिधियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति में परंपरागत रीति-रिवाज और पूजा-अर्चना के साथ हितग्राहियों को चाबी सौंपकर उनके नए घरों में प्रवेश कराया गया। वर्षों तक कच्चे मकानों में जीवन बिताने वाले परिवारों के लिए यह क्षण अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण रहा। विकासखंडवार स्थिति में रामचन्द्रपुर में 2,276, वाड्डफ्नगर में 1,772, कुसमी में 1,215, बलरामपुर में 1,142, राजपुर में 353 तथा शंकरगढ़ में 210 आवास पूर्ण



किए गए हैं।

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने गृह प्रवेश करने वाले सभी हितग्राही परिवारों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पक्का आवास केवल एक निर्माण नहीं, बल्कि परिवार की सुरक्षा, सम्मान और उज्ज्वल

योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा अधिकारियों को शेष स्वीकृत आवासों को प्राथमिकता से पूर्ण कराने एवं सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भविष्य का आधार है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक पात्र परिवार को समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध हो और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।

उ न े न े हितग्राहियों को आवास के साथ-साथ शासन की अन्य

इस अवसर पर हितग्राहियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दूरदृष्टिपूर्ण संकल्प और हर आम आदमी के हित में उठाए जा रहे कदमों के कारण ही आज उनका अपने पक्के घर का सपना साकार हो सका है। उन्होंने शासन के सेवा के प्रति समर्पण भाव की सराहना करते हुए सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा विकसित भारत 2047 के संकल्प में अपनी सहभागिता प्रस्तुत करने की बात कही।

जिला प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन एवं मैदानी अमले के सतत पर्यवेक्षण के फलस्वरूप निर्माण कार्य समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए गए। पक्की छत मिलने से लाभान्वित परिवारों ने शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया, वहीं प्रशासन ने शेष स्वीकृत आवासों को भी शीघ्रता एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने का संकल्प दोहराया है।

राजपुर में 16 से 19 सितंबर तक होंगी सरगुजा ओलंपिक 2026-27 की खेल प्रतियोगिताए

बलरामपुर। विकासखंड राजपुर में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं युवाओं को खेल प्रतिभा के विकास हेतु मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरगुजा ओलंपिक 2026-27 का आयोजन किया जा रहा है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजपुर द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिताएँ 16 से 19 सितंबर तक निर्धारित स्थलों पर आयोजित होंगी।

16 सितंबर को कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय ग्राउंड में एथलेटिक्स स्पर्धाएँ तथा कॉलेज ग्राउंड में बैडमिंटन प्रतियोगिता होगी। 17 सितंबर को हायर सेकेंडरी स्कूल बालक ग्राउंड में कबड्डी, खो-खो एवं वॉलीबॉल तथा स्वामी आत्मानंद उ. विद्यालय ग्राउंड में बास्केटबॉल की स्पर्धाएँ आयोजित होंगी। 18 एवं 19 सितंबर को हायर सेकेंडरी स्कूल बालक ग्राउंड में फुटबॉल

की वर्गवार एवं सामूहिक प्रतियोगिताएँ तथा 19 सितंबर को इसी स्थल पर महिला वर्ग की रस्साकशी एवं कराते स्पर्धा संपन्न होगी। प्रतियोगिता में केवल ऑनलाइन पंजीकृत प्रतिभागी ही भाग लेने के पात्र होंगे। सभी प्रतिभागियों को विद्यालय से जारी परिचय पत्र एवं आधार कार्ड साथ लाना तथा निर्धारित समय से 20 मिनट पूर्व आयोजन स्थल पर उपस्थित होना अनिवार्य होगा। अनुशासन बनाए रखना आवश्यक होगा और नियमों के उल्लंघन पर प्रतिभागिता निरस्त की जा सकेगी। सरगुजा ओलंपिक का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों तथा युवाओं में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करना, छिपी खेल प्रतिभाओं की पहचान करना और उन्हें जिला एवं राज्य स्तर तक पहुँचाने का अवसर देना है।

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश पर अपर कलेक्टर आर.एन. पाण्डेय ने देर शाम जिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

–मौसमी बीमारियों के बढ़ते प्रभाव के बीच स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का बारीकी से लिया जायजा, राजस्व अमला सक्रिय

बलरामपुर। मौसमी बीमारियों के बढ़ते प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए मरीजों को त्वरित एवं समुचित उपचार मरीजग कराने के उद्देश्य से कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशों के अनुपालन में अपर कलेक्टर आर.एन. पाण्डेय ने देर शाम जिला चिकित्सालय बलरामपुर पहुँचकर औचक निरीक्षण किया। उन्होंने आपातकालीन सेवाओं, वार्डों की स्थिति, रात्रिकालीन इयूटी पर तैनात अमले की उपस्थिति तथा आवश्यक दवाओं की उपलब्धता का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान इमरजेंसी वार्ड में रात्रिकालीन इयूटी पर डॉक्टर सुबोध सिंह उपस्थित पाए गए। आपातकालीन वार्ड में सर्पदंश के एक मरीज सहित कुल 06 मरीज भर्ती मिले, जिनकी स्थिति सामान्य पाई गई तथा सभी का समुचित उपचार जारी था। इसके पश्चात् अपर कलेक्टर ने मेडिकल वार्ड, सर्जिकल वार्ड एवं ओपीडी विभाग का निरीक्षण करते हुए उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी ली और उपस्थित अमले को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अपर कलेक्टर श्री पाण्डेय ने जीवनरक्षक एवं आवश्यक दवाओं का पर्याप्त भंडारण बनाए रखने, अस्पताल परिसर तथा वार्डों में नियमित साफ-



सफ़ाई सुनिश्चित करने एवं मरीजों और उनके परिजनों के लिए पेयजल सहित अन्य बुनियादी सुविधाएँ दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि चिकित्सालय पहुँचने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर बेहतर उपचार मिलना सुनिश्चित हो, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य अमले को मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने तथा मौसमी बीमारियों से बचाव के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए भी प्रेरित किया।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं की सतत निगरानी के लिए राजस्व अमले को सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में आगे भी जिला चिकित्सालय सहित विकासखंड स्तरीय स्वास्थ्य संस्थाओं का समय-समय पर औचक निरीक्षण किया जाएगा तथा निरीक्षण में सामने आने वाली कमियों को प्राथमिकता से दूर कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और दुरुस्त किया जाएगा, जिससे जिले के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा की पहुँच सुनिश्चित हो सके।

इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में हुनर, हौसलों से हासिल किया मुकाम

धमतरी की तीन बेटियों का पॉक्सकॉन, बेंगलुरु में चयन, Apple iPhone के लिए करेंगी उपकरणों की असेंबली धमतरी। धमतरी की तीन बेटियाँ संजना साहू, रंजना साहू और निकिता ने अपने हुनर, मेहनत और आत्मविश्वास से यह साबित कर दिखाया है कि अवसर और सही प्रशिक्षण मिले तो बेटियाँ किसी भी तकनीकी क्षेत्र में सफ़लता का नया अध्याय लिख सकती हैं। मधुरिमा गुरुकुल SEDI, धमतरी में इलेक्ट्रीशियन ट्रेड का प्रशिक्षण लेने वाली इन तीन महिला प्रशिक्षुओं का चयन देश की प्रतिष्ठित कंपनी पॉक्सकॉन, बेंगलुरु में हुआ है। यह एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है, जो Apple के लिए iPhone सहित अन्य उपकरणों की असेंबली/निर्माण करती है। तीनों प्रशिक्षुओं को शुरुआत में १20 हजार प्रतिमाह इञ्ज का रोजगार ऑफ़र मिला है। यह उपलब्धि न केवल प्रशिक्षण की गुणवत्ता और प्रशिक्षुओं की मेहनत को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि



बेटियाँ तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत पहचान बना सकती हैं।

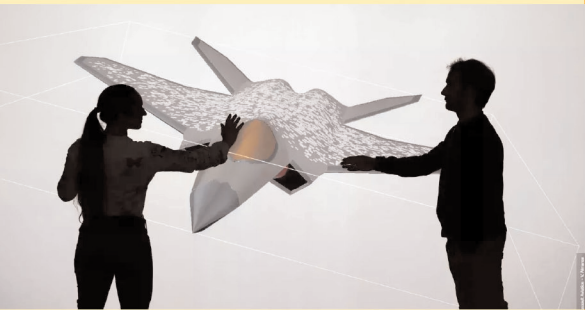
धमतरी की इन तीन बेटियों की कहानी इसी पहल की सबसे प्रेरक तस्वीर है। इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में सीखा हुनर अब उन्हें बेंगलुरु के औद्योगिक क्षेत्र तक ले जा रहा है। उनकी सफ़लता केवल रोजगार पाने की उपलब्धि नहीं, बल्कि धमतरी की बेटियों के बढ़ते आत्मविश्वास, तकनीकी दक्षता और आत्मनिर्भरता की नई पहचान है।

इन बेटियों की सफ़लता इसलिए भी खास है

क्योंकि उन्होंने ऐसे तकनीकी ट्रेड को चुना, जिसे लंबे समय से पुरुष-प्रधान क्षेत्र माना जाता रहा है। इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण लेकर औद्योगिक क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी तक पहुंचना उनकी तकनीकी दक्षता, सीखने की लगन और आत्मविश्वास को दर्शाता है। उनकी यह उपलब्धि धमतरी की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरक संदेश है कि तकनीकी कोशल के क्षेत्र में महिलाओं के लिए भी रोजगार और करियर की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। प्रशिक्षण के दौरान इन बेटियों ने इलेक्ट्रीकल कार्यों की बारीकियों, उपकरणों के उपयोग, विद्युत सुरक्षा, वायरिंग, मशीनरी एवं इलेक्ट्रिकल सिस्टम से जुड़े व्यावहारिक कार्यों में दक्षता हासिल की। प्रशिक्षण ले कर भीतर केवल तकनीकी क्षमता ही विकसित नहीं की, बल्कि बड़े औद्योगिक संस्थानों में काम करने का आत्मविश्वास भी बढ़ाया। यही आत्मविश्वास उन्हें धमतरी से बेंगलुरु तक रोजगार के नए अवसर तक ले गया।

ज्ञान-विज्ञान की बातें

भारत FCAS छठी पीढ़ी के फाइटर प्रोग्राम की ओर बढ़ा



कीवः एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने फ्रांस के ‘पयूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम’ (FCAS) में शामिल होने के लिए औपचारिक कदम उठाए हैं। यह छठी पीढ़ी का फ़ाइटर प्रोग्राम है, जिससे नई दिल्ली को अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की टेक्नोलॉजी मिल सकती है और देश के अपने लड़ाकू विमानों के विकास में तेजी आ सकती है। फ्रांसीसी डिफेंस न्यूज वेबसाइट Opex360 का हवाला देते हुए कहा गया है कि यह जानकारी भारत के रक्षा मंत्रालय के उन दस्तावेजों पर आधारित है जो संसदीय रक्षा समिति के सामने पेश किए गए थे।

भारत के रक्षा मंत्रालय ने फ्रांसीसी सरकार के नेतृत्व वाले FCAS प्रोग्राम में शामिल होने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। यूक्रेन की मिलिट्री वेबसाइट ‘मिलिटार्नी’ (Militarymyi) की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि इससे पहले भारत ने यूरोप के दो बड़े छठी पीढ़ी के फ़ाइटर प्रोजेक्ट्स — फ्रांस के FCAS या ब्रिटिश-इतालवी-जापानी ‘ग्लोबल कॉम्बैट एयर प्रोग्राम’ (GCAP) — में से किसी एक में शामिल होने पर विचार किया था।

मार्च 2026 में, तत्कालीन चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने कहा था कि भारत इन दो समूहों (कंसोर्टियम) में से किसी एक में शामिल होने और छठी पीढ़ी के फ़ाइटर के विकास की संभावना तलाशने का इरादा रखता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ‘न्यू जेनरेशन फ़ाइटर’ (NGF) — जो मूल FCAS आर्किटेक्चर का मुख्य हिस्सा था — पर फ्रांस और जर्मनी के बीच सहयोग टूटने के बाद स्थिति बदल गई। प्रोजेक्ट को लागू करने को लेकर लंबे समय तक चले विवादों के बाद, जून 2026 में फ्रांस और जर्मनी अपनी संयुक्त कोशिश को खत्म करने पर सहमत हुए। इसके बाद फ्रांस ने नए साझेदारों के साथ काम करने की संभावना पर विचार करना शुरू किया। रिपोर्ट में बताया गया है कि डसॉल्ट एविएशन के CEO एरिक ट्रैपियर ने जुलाई में कहा था कि वह छठी पीढ़ी के फ़ाइटर प्रोग्राम को व्यापक अंतरराष्ट्रीय भागीदारी के लिए खोलने का समर्थन करते हैं, जिसमें यूरोप के बाहर के देश भी शामिल हों। इसमें आगे कहा गया, "भारत के लिए, फ्रांसीसी प्रोजेक्ट में भागीदारी से अगली पीढ़ी की फ़ाइटर टेक्नोलॉजी तक पहुंच मिल सकती है और उसके अपने लड़ाकू विमानों के विकास में तेजी आ सकती है।

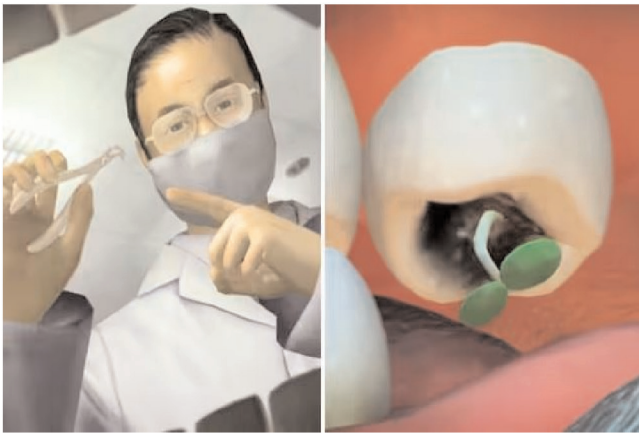
रिपोर्ट के अनुसार, चूंकि चीन पहले से ही J-20 और J-35 का संचालन कर रहा है और छठी पीढ़ी के फ़ाइटर प्रोटोटाइप का परीक्षण कर रहा है, इसलिए भारतीय वायु सेना और नौसेना यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही हैं कि वे पीछे न रह जाएं। इसमें बताया गया, "भारत अपने खुद के लड़ाकू विमान प्रोग्राम भी विकसित कर रहा है, जिनमें पांचवीं पीढ़ी का AMCA फ़ाइटर और कैरियर-बेस्ड TEDBF फ़ाइटर शामिल हैं। साथ ही, किसी अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट में भागीदारी इन प्रोग्राम्स को और बेहतर बना सकती है और देश को उभरती हुई कॉम्बैट एविएशन टेक्नोलॉजी तक पहुंच दिला सकती है।" हाल ही में, भारत के रक्षा मंत्री ने कहा कि देश रूस के Su-57E फ़ाइटर जेट खरीदने की योजना नहीं बना रहा है, बल्कि इसके बजाय अपने मौजूदा Su-30MKI बड़े को अपग्रेड करने को प्राथमिकता देगा।

अजीबोगरीब मामला- शरत्स की अवल दाढ़ में उगा अमरुद का पौधा, देखकर डॉ. खुद डेंटिस्ट भी चौंक गए

सोचिए, आप दांत में तेज दर्द की शिकायत लेकर डॉक्टर के पास जाएं और जांच के दौरान डॉक्टर को आपकी अवल दाढ़ के अंदर कुछ ऐसा दिखाई दे, जिसकी उसने कभी कल्पना भी न की हो।

दांत में दर्द लेकर पहुंचा था डॉक्टर के पास यह मामला ताइवान के एक व्यक्ति से जुड़ा है। उसे काफी समय से दांत में दर्द की परेशानी हो रही थी। दर्द बढ़ने पर वह डेंटिस्ट के पास पहुंचा। जांच के दौरान डॉक्टर को पता चला कि उसकी ऊपरी अवल दाढ़ में काफी समस्या थी और उसे निकालना जरूरी था। लेकिन दाढ़ निकालते समय डॉक्टर के सामने जो नजारा आया, उसे देखकर वह भी हैरान रह गए।

दाढ़ के अंदर से निकल रहा था अमरुद का पौधा जब डॉक्टर ने अवल दाढ़ को निकालना शुरू किया तो उसके अंदर एक छोटा-सा अंकुर दिखाई दिया। करीब से देखने पर पता चला कि यह किसी पेड़-पौधे की जड़ नहीं, बल्कि अमरुद का अंकुर था। यानी जिस दांत में दर्द की वजह से यह शख्स डॉक्टर के पास पहुंचा था, उसी दांत के अंदर अमरुद का बीज अंकुरित हो चुका था। पृष्ठछात्र में व्यक्ति ने बताया कि उसने उसी महीने की शुरुआत में अमरुद खाया था। संभव है कि अमरुद का कोई बीज उसके दांत में बनी कैविटी के अंदर फंस गया हो।



आखिर दांत के अंदर बीज कैसे अंकुरित हो गया इस पूरे मामले के पीछे सबसे बड़ी वजह खराब ओरल हाइजीन और दांत में मौजूद कैविटी बताई गई। जिस अवल दाढ़ में समस्या थी, उसमें काफी गहरी कैविटी बन चुकी थी। इसी खाली जगह में अमरुद का बीज फंस गया। एक और खास बात यह थी कि उस दाढ़ के ठीक नीचे वाली अवल दाढ़ पहले से मौजूद नहीं थी। ऐसे में ऊपर वाली दाढ़ के आसपास बीज को फंसने और वहां टिके रहने के लिए पर्याप्त जगह मिल गई। मुंह के अंदर

मौजूद नमी और अनुकूल परिस्थितियों के कारण बीज ने अंकुरित होना शुरू कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, जब डॉक्टर ने इसे देखा, तब यह अंकुर करीब 10 दिन पुराना बताया गया था।

बचपन की वह बात थोड़ी सच जैसी क्यों लगी बचपन में अक्सर घर के बड़े मजाक या डराने के लिए कहते थे कि अमरुद के बीज खाओगे तो पेट में अमरुद का पेड़ उग जाएगा। जाहिर है, इंसान के पेट में पेड़ उगना संभव नहीं है। लेकिन इस मामले में अमरुद का बीज दांत की कैविटी में फंसकर अंकुरित जरूर हो गया। यही वजह है कि इस अजीब मामले ने लोगों का खासा ध्यान खींचा। इसकी रिपोर्ट साल 2013 में British Dental Journal में भी प्रकाशित हुई थी।

खराब ओरल हाइजीन से हो सकती हैं कई परेशानियां यह मामला भले ही सुनने में मजेदार या हैरान करने वाला लगे, लेकिन इसके पीछे एक गंभीर संदेश भी है। मुंह और दांतों की ठीक से सफाई न करने पर कैविटी, प्लाक, टार्टर और मसूड़ों से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। अगर दांतों के बीच खाना फंसा रहे और सफाई ठीक से न हो, तो बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। धीरे-धीरे इससे दांतों को नुकसान पहुंच सकता है और दर्द या संक्रमण की समस्या भी पैदा हो सकती है।

दांत और मुंह को स्वस्थ रखने के लिए क्या करें डॉक्टरों की सलाह के मुताबिक, ओरल हाइजीन बनाए रखने के लिए कुछ सामान्य बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

रोजाना नियमित रूप से ब्रश करें और दांतों के बीच प्लॉसिंग करें। बहुत ज्यादा मीठे खाद्य पदार्थ और ड्रिंक्स लेने से बचें। तंबाकू और स्मोकिंग से दूरी बनाए रखें। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। समय-समय पर डेंटिस्ट से दांतों की जांच करवाएं। कुछ आयुर्वेदिक विशेषज्ञ मुंह की सफाई के लिए गंधू और कवल जैसी पारंपरिक प्रक्रियाओं के साथ दंत चूर्ण, लौंग और नीम के इस्तेमाल की भी बात करते हैं। हालांकि, दांत में दर्द, कैविटी या संक्रमण होने पर घरेलू उपायों के भरोसे रहने के बजाय डेंटिस्ट से जांच करवाना ज्यादा जरूरी है।

आखिरकार, इस मामले से एक बात तो साफ है दांतों की छोटी-सी कैविटी को नजरअंदाज करना भी भारी पड़ सकता है। वरना कौन सोच सकता था कि कभी किसी की अवल दाढ़ के अंदर से अमरुद का पौधा निकल आएगा!

डॉलर चार महीने के निचले स्तर पर, सोना 400 और चांदी 700 रुपये सुधरी

अमेरिकी डॉलर की दर लगातार दो दिन से नीचे की ओर जा रही है और गुरुवार को डॉलर चार महीने के निचले स्तर 95.44 रह गया। इससे निवेशकों का रुझान सोने-चांदी की तरफ बढ़ गया।

इसके चलते अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में सोना वायदा 4395 डालर प्रति और चांदी वायदा सुधरकर 66.42 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इसके चलते भारतीय बाजार में भी दोनों कीमती धातुओं में सुधार जारी रहा। हालांकि दाम धीमी गति से बढ़ रहे हैं।

गुरुवार को इंदौर में सोना केडबरी 400 रुपये बढ़कर 149600 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी चौरसा 700 रुपये बढ़कर 234200 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। बाजार में ग्राहकी सीमित है।

ज्वेलर्स का कहना है कि बुलियन मार्केट को



कमजोर अमेरिकी डालर का सहारा मिल रहा है। बाजार में अभी अगले हफ्ते फेड द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की संभावना लगभग 60 प्रतिशत मानी जा रही है। इस बीच, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण तेल की कीमतें तीन महीने से ज्यादा समय के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं।

पीपल्स बैंक ऑफ चाइना ने लगातार 22वें महीने सोना खरीदने का सिलसिला जारी रखा, जिससे जुलाई के अंत में होल्डिंग 76.08 मिलियन औंस से बढ़कर 76.73 मिलियन फ़इन ट्राय औंस हो गई, जबकि रिजर्व कमजोर अमेरिकी डालर बिलियन से बढ़कर 350.08 डालर बिलियन हो गई।

भारत में सोने की मांग में सुधार हुआ क्योंकि कम कीमतों ने खरीदारी को बढ़ावा दिया, हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ़ि़र से उपभोक्ताओं से आग्रह किया कि वे जरूरत न होने पर सोना न खरीदें।

कामेक्स वायदा पर सोना 4395 डालर प्रति औंस, ऊपर में वायदा 4434 डालर और नीचे में वायदा 4388 डालर प्रति औंस चांदी वायदा 66.42 डॉलर प्रति औंस, ऊपर वायदा में 67.94 डॉलर और नीचे में वायदा 66.32 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई।

इंदौर के बंद भाव – सोना केडबरी रवा नकद में 149600, सोना आरटीजीएस में 153000 (जीएसटी अतिरिक्त), सोना 22 कैरेट 140250 (जीएसटी अतिरिक्त) रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। बुधवार को सोना 149200 रुपये पर बंद हुआ था। चांदी चौरसा 234200, चांदी आरटीजीएस 234400, चांदी टंच 234900 रुपये प्रति किलो के भाव बोले गए। चांदी सिक्का 2520 रुपये (प्रति नग) के भाव बोले गए। बुधवार को चांदी चौरसा 233500 रुपये पर बंद हुई थी।

फुल सिग्नल के बाद भी स्लो चल रहा है Wi-Fi? इन 5 आसान ट्रिक्स से तुरंत बढ़ाएं इंटरनेट स्पीड

अक्सर देखा जाता है कि स्मार्टफोन या लैपटॉप में वाई-फ़ाई के सिग्नल पूरे दिखाई देते हैं, लेकिन ब्राउज़िंग या ऑनलाइन स्ट्रीमिंग करते समय स्पीड बेहद धीमी मिलती है। ऐसी स्थिति में अक्सर लोग नेटवर्क को खराब मान लेते हैं, जबकि यह समस्या राउटर की सेटिंग्स, डिवाइस लोड या सर्विस प्रोवाइडर से जुड़ी हो सकती है। अगर आप भी इस दिक्कत से परेशान हैं, तो कुछ सामान्य सुधार करके इंटरनेट की रफ्तार दोबारा ठीक कर सकते हैं।



कैमरे एक साथ चल रहे हों, तो बैंडविड्थ बंट जाती है। विशेष रूप से यदि कोई डिवाइस बैकग्राउंड में हैवी फ़ाइल डाउनलोड कर रहा हो, तो अन्य उपकरणों में इंटरनेट धीमा हो जाता है। अनावश्यक डिवाइसेज को डिस्कनेक्ट करने से स्पीड बेहतर हो सकती है।

सही वाई- फाई फ्रीक्ेंसी बैंड (2.4GHz या 5GHz) चुनें

आजकल के डुअल-बैंड राउटर्स में दो तरह की फ्रीक्ेंसी मिलती हैं। अगर आप राउटर के पास बैठे हैं और हाई-स्पीड इंटरनेट चाहते हैं, तो 5GHz बैंड दूसरे कमरे में हैं, तो 2.4GHz बैंड का चयन करें, क्योंकि इसकी रेंज ज्यादा दूर तक काम करती है।

नेटवर्क को ‘Forget’ करके दोबारा री-कनेक्ट करें

कई बार नेटवर्क कॉन्फ़िगरेशन में गड़बड़ी के कारण भी कनेक्टिविटी प्रभावित होती है। अपने फोन या सिस्टम की सेटिंग्स में जाकर संबंधित वाई-फाई नेटवर्क को ‘Forget’ करें और फिर से पासवर्ड दर्ज करके नया कनेक्शन बनाएं। इससे नेटवर्क ग्लिच दूर हो जाते हैं।

राउटर को रीस्टार्ट (रिबूट) करें

लगातार चालू रहने के कारण कई बार राउटर में टेम्परेरी कैश या नेटवर्क ग्लिच आ जाता है। इसे दूर करने के लिए राउटर का पाँवर बटन बंद करें, लगभग आधा मिनट रुकें और फिर से चालू करें। इसके बाद अपने डिवाइस को दोबारा कनेक्ट करके स्पीड का आकलन करें।

नेटवर्क पर जुड़े अतिरिक्त

डिवाइसेज हटाएं

यदि एक ही वाई-फ़ाई कनेक्शन से घर के कई स्मार्टफोन, स्मार्ट टीवी, लैपटॉप या सुरक्षा

सस्ती Alto K10 या दमदार Tiago? आपकी जरूरत के हिसाब से कौन-सी कार सही

अगर आपका बजट करीब 5 लाख रुपये है और आप पहली कार खरीदने की तैयारी कर रहे हैं, तो Maruti Alto K10 और Tata Tiago दो ऐसे विकल्प हैं जिन पर जरूर विचार किया जा सकता है। दोनों कारें बजट ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार की गई हैं, लेकिन इनका फ़ेकस अलग-अलग जरूरतों पर दिखाई देता है। आइए जानते हैं कि कीमत, माइलेज, पावर, सेप्टी और फ़ीचर्स के लिहाज से कौन-सी कार आपके लिए बेहतर हो सकती है।

इंजन और पावर में Tiago का दबदबा Alto K10 में 998cc का 1.0-लीटर K10C पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 68bhp की पावर और 89Nm टॉर्क पैदा करता है। दूसरी ओर, Tata Tiago में 1.2-लीटर Revotron पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 86bhp की पावर और 113Nm टॉर्क जनरेट करता है। दोनों मॉडल में 5-स्पीड मैनुअल और AMT गियरबॉक्स के विकल्प मिलते हैं। CNG चाहने वाले ग्राहकों के लिए भी दोनों कारों में फ़ैक्ट्री-फ़िटेड विकल्प उपलब्ध हैं। स्पष्ट रूप से ज्यादा ताकत के मामले में Tiago आगे निकलती है।

माइलेज में Alto K10 की बढ़त अगर कार खरीदते समय आपका सबसे बड़ा फ़ेकस माइलेज और रोजाना का कम खर्च है, तो Alto K10 आकर्षक विकल्प बनती है। इसका पेट्रोल मैनुअल मॉडल 24.39kmpl और AMT मॉडल 24.9kmpl तक ARAI-सर्टिफाइड माइलेज देता है। CNG वैरिएंट का दावा किया



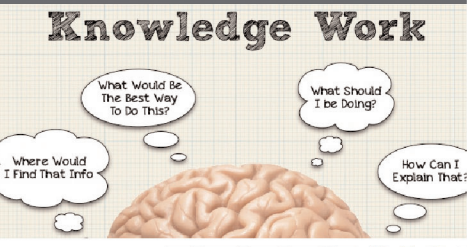
गया माइलेज 33.85km/kg है। Tiago पेट्रोल करीब 19-20kmpl और CNG करीब 26.49km/kg तक का माइलेज देती है। इसलिए लंबी अवधि में ईंधन की बचत के लिहाज से Alto K10 ज्यादा किफायती साबित हो सकती है। शहर में Alto, हाईवे पर Tiago शहरी इलाकों में जहां ट्रैफ़िक, छोटी सड़कें और पार्किंग की समस्या आम है, Alto K10 अपने कॉम्पैक्ट आकार के कारण सुविधाजनक लगती है। हल्का वजन और छोटा टर्निंग एरिया इसे रोजमर्रा की ड्राइविंग के लिए आसान बनाते हैं। Tiago का बड़ा इंजन हाईवे पर ज्यादा दम दिखाता है। तेज गति पर अतिरिक्त पावर और बेहतर रोड प्रेजेंस इसे लंबी दूरी की यात्राओं के लिए अधिक उपयुक्त बना सकती है। सेप्टी में Tiago ज्यादा मजबूत सेप्टी के मामले में Tata Tiago को बढ़त मिलती है। उपलब्ध Global NCAP क्रैश टेस्ट

परिणामों में Tiago को 4-स्टार रेटिंग मिली है, जबकि Alto K10 को 2-स्टार रेटिंग मिली थी। दोनों कारों में डुअल एयरबैग, ABS के साथ EBD और रियर पार्किंग सेंसर जैसे जरूरी सुरक्षा फ़ीचर्स मिलते हैं। हालांकि, सुरक्षा प्राथमिकता रखने वाले खरीदारों के लिए Tiago ज्यादा भरोसेमंद विकल्प दिखाई देती है।

फ़ीचर्स में भी Tiago का पैकेज आकर्षक Alto K10 के ऊपरी वैरिएंट में 7-इंच टचस्क्रीन इन्फ़ोटेनमेंट सिस्टम, Android Auto, Apple CarPlay, डिजिटल स्पीडोमीटर और फ्रंट पावर विंडो जैसे फ़ीचर्स मिलते हैं।

Tiago में 7-इंच टचस्क्रीन के साथ Harman साउंड सिस्टम, ऑटोमैटिक प्लाइमेट कंट्रोल, डिजिटल इाइवर ड्रिस्टले और इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल ORVM जैसे अतिरिक्त प्रीमियम फ़ीचर्स मिलते हैं।

कीमत में Alto K10 ज्यादा बजट-फ़्रेंडली Alto K10 की एक्स-शोरूम कीमत करीब 3.70 लाख रुपये से 5.45 लाख रुपये तक जाती है, जबकि Tata Tiago की कीमत करीब 4.70 लाख रुपये से 8.55 लाख रुपये तक बताई जाती है। इसलिए शुरुआती बजट सीमित होने पर Alto K10 ज्यादा आसान विकल्प है। फ़ैसला: आपकी जरूरत तय करेगी विजेता कुल मिलाकर, कम कीमत, शानदार माइलेज और शहर में आसान ड्राइविंग चाहिए तो Alto K10 बेहतर चुनाव हो सकती है। वहीं ज्यादा पावर, हाईवे ड्राइविंग, प्रीमियम फ़ीचर्स और बेहतर क्रैश-टेस्ट प्रदर्शन प्राथमिकता है तो Tata Tiago ज्यादा संतुलित पैकेज साबित होती है।





कच्चा लहसुन दिखने में भले ही छोटा हो, लेकिन इसके फ़ायदे बहुत बड़े हैं। यह शरीर को अंदर से साफ़ रखता है, वजन कंट्रोल करने में मदद करता है, इम्युनिटी बढ़ाता है और त्वचा को भी साफ़बनाता है।

रोजाना सिर्फ़ एक या दो कली कच्चा लहसुन खाने से कई तरह के हेल्थ लाभ मिलते हैं। इसलिए इसे कई लोग नेचुरल मेडिसिन भी कहते हैं। हर घर की रसोई में मौजूद लहसुन खाने के स्वाद को बढ़ाने के साथ-साथ शरीर के लिए भी बेहद फ़ायदेमंद होता है। दादी-नानी के पुराने नुस्खों में भी लहसुन का उपयोग अवसर किया जाता रहा है। पेट में गैस, खांसी, दर्द या इम्युनिटी बढ़ाने में यह बहुत उपयोगी माना जाता है।

डॉक्टरों का क्या कहना है?

मेवस हॉस्पिटल, गुरुग्राम की कंसलटेंट वलीनिकल और

सुबह खाली पेट लहसुन खाने के है कई फायदे, बीमारी से होगा बचाव

फ़ंक्शनल न्यूट्रिशनिस्ट डॉ. मंजरी चंद्रा बताती हैं कि लहसुन सिर्फ़ हेल्दी फ़ूड नहीं है, बल्कि एक प्राकृतिक एंटीबायोटिक है। इसमें मौजूद एलिसिन नाम का तत्व इसे बहुत शक्तिशाली बनाता है। एलिसिन खून को साफ़ करता है, पाचन सुधारता है और दिल को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है।

सर्दी-खांसी का रामबाण इलाज है लहसुन, जानिए इसे खाने के अन्य फ़ायदे

शरीर की गंदगी बाहर निकालें

आजकल पैक्ड फ़ूड, कम पानी, तनाव और नींद की कमी के कारण शरीर में टॉक्सिन जमा हो जाते हैं। इससे थकान, गैस, मुहांसे, सुस्ती और पाचन खराब होने जैसी समस्याएं होती हैं। कच्चे लहसुन में मौजूद सल्फ़र कपाउंड शरीर के खराब बैक्टीरिया को खत्म करते हैं और लिवर को सक्रिय करके डिटॉक्स की प्रक्रिया तेज़ कर देते हैं। सुबह खाली पेट कच्चा लहसुन खाने से शरीर हल्का और साफ़महसूस होने लगता है।



इम्युनिटी को बनाता है मजबूत अगर मौसम बदलते ही सर्दी-खांसी आपको पकड़ लेती है, तो कच्चा लहसुन आपके लिए बहुत उपयोगी है। यह प्राकृतिक एंटीबायोटिक और एंटीवायरल गुणों वाला फ़ूड है। एलिसिन और एंटीऑक्सीडेंट इम्युनिटी सेल्स को मजबूत बनाते हैं, जिससे शरीर वायरस और बैक्टीरिया से तेज़ी से

लड़ पाता है। कई शोधों में पाया गया है कि जो लोग नियमित रूप से लहसुन खाते हैं, उन्हें सामान्य सर्दी-जुकाम कम होता है।

पाचन शक्ति को बेहतर करता है

कच्चा लहसुन पेट के लिए किसी वरदान जैसा है। यह अच्छे बैक्टीरिया बढ़ाता है और खराब बैक्टीरिया को खत्म करता है। यदि आप रोज़ाना इसे खाली पेट खाएंगे, तो पाचन बेहतर होगा और पेट हल्का महसूस होगा। गैस, कब्ज, ब्लोटिंग और भारीपन से परेशान लोगों के लिए यह बहुत फ़ायदेमंद है।

खून को साफ़करता है

लहसुन में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और सल्फ़र खून में जमा गंदगी, खराब कोलेस्ट्रॉल और फैट को कम करते हैं। इसलिए इसे ब्लड प्यूरीफ़ायर भी कहा जाता है। खून साफ़ होगा तो चेहरा साफ़दिखेगा, पिंपल्स कम होंगे और रंग भी बढ़ेगा। इसके अलावा यह खराब कोलेस्ट्रॉल घटाकर अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है, जिससे दिल पर दबाव कम पड़ता है और ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है।

वजन घटाने में भी करता है मदद

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो कच्चा लहसुन

सहायक हो सकता है। यह मेटाबॉलिज्म को तेज़ करता है और कैलोरी को जल्दी बर्न करने में मदद करता है। यह फैट सेल्स की गतिविधि को कम करता है, जिससे शरीर में फैट स्टोर होने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। सुबह गर्म पानी या नींबू पानी के साथ अगर इसे लिया जाए, तो शरीर अच्छी तरह डिटॉक्स होता है।

त्वचा को साफ़और ग्लोइंग बनाता है

कच्चा लहसुन त्वचा के लिए भी बहुत फ़ायदेमंद है। जब खून साफ़ होगा, तो त्वचा स्वाभाविक रूप से चमकने लगेगी। लहसुन में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर के फ्री-रेडिकल्स और टॉक्सिन्स हटाते हैं, जिससे त्वचा हेल्दी रहती है और पिंपल की समस्या कम होती है।

लेकिन ध्यान रखें

कई लोग लहसुन को चेहरे पर सीधे लगा लेते हैं, इससे जलन हो सकती है। इसलिए इसे त्वचा पर न लगाएं सिर्फ़ सेवन करें।

नोटः यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी स्वास्थ्य समस्या या नियमित सेवन शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह अवश्य लें।

जायका

हेल्थी और स्वादिष्ट गाजर का कसा हुआ सलाद झटपट बनाएं

कम समय में कुछ हेल्दी और टेस्टी बनाना चाहते हैं, तो गाजर का सलाद एक बेहतरीन विकल्प है। कम सामग्री और आसान विधि से तैयार होने वाला यह सलाद स्वाद में लाजवाब होता है। इसे आप लंच या डिनर के साथ साइड डिश के रूप में परोस सकते हैं।



धनिया, नमक स्वादानुसार, आधा छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर।

विधि:

सबसे पहले गाजर को अच्छी तरह धोकर छील लें और कटूकर कर लें। अब इसे एक बड़े बाउल में डालें। इसमें बारीक कटा प्याज और हरी मिर्च मिलाएं। इसके बाद नमक, भुना जीरा पाउडर और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अंत में हरा धनिया डालकर एक बार फ़िर मिला लें।

गुड़-पानी का देसी नुस्खा हाथों या त्वचा पर टैनिंग और मैल की परत से छुटकारा दिलाएगा

अगर आपके हाथों या त्वचा पर भी टैनिंग और मैल की परत जमा हो गई है, एक आसान देसी नुस्खा आपके काम आ सकता है। इस उपाय में गुड़ और पानी का घोल तैयार करके त्वचा पर लगाया जाता है, जिससे त्वचा की सफ़ाई और टैनिंग कम करने में मदद मिल सकती है। आइए इस घरेलू नुस्खे के बारे में।

टैनिंग क्यों होती है?

टैनिंग मुख्य रूप से सूरज की हानिकारक यूवी किरणों के कारण होती है। जब त्वचा इन किरणों के संपर्क में आती है, तो शरीर में मेलैनिन का उत्पादन बढ़ जाता है। यही मेलैनिन त्वचा को गहरा या काला बना देता है, जिसे टैनिंग कहा जाता है।

नुस्खे में इस्तेमाल होने वाली सामग्री-इस देसी उपाय को बनाने के लिए आपको कुछ आसान चीजों की जरूरत होगी। गुड़, नींबू का रस, हल्दी, शैंपू और ट्यूबेस्ट।

नोटः सामग्री की मात्रा आप अपनी जरूरत के अनुसार तय कर सकते हैं।

नुस्खा बनाने की विधि

सबसे पहले गुड़ को कूटकर पानी में अच्छी तरह घोल लें।

अब इस घोल में थोड़ा नींबू का रस मिलाएं।

एक तवे पर हल्दी को हल्का काला होने तक भुन लें।

अब गुड़ का घोल, हल्दी, नींबू का रस, थोड़ा शैंपू और ट्यूबेस्ट मिलाकर मिश्रण तैयार कर लें।

इस मिश्रण को हाथों या जिस जगह मैल जमी हो वहां लगाएं।

कुछ देर बाद हल्के हाथों से रगड़ते हुए पानी से साफ़कर लें।कुछ समय बाद त्वचा पहले से ज्यादा साफ़और मुलायम नजर आ सकती है।

त्वचा के लिए गुड़ के फायदे

गुड़ त्वचा के लिए कई तरह से लाभकारी माना जाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और ग्लाइकोलिक एसिड जैसे तत्व पाए जाते हैं।

जो त्वचा को गहराई से साफ़करने में मदद कर सकते हैं।

इसके तत्वों में मुहांसे कम हो सकते हैं। त्वचा को डिटॉक्स होती है। त्वचा को गहराई से साफ़करने में मदद मिलती है। त्वचा की नमी बनी रहती है।

हल्दी के फ़ायदे

हल्दी में करक्यूमिन (Curcumin) नामक तत्व पाया जाता है, जो एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है।

त्वचा पर हल्दी के इस्तेमाल से मुहांसे कम हो सकते हैं। त्वचा को गहराई से साफ़करने में मदद मिलती है।

नोटः अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है, तो इस नुस्खे को इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

अपने बच्चे के सामने गलती से भी शराब और सिगरेट का सेवन न करें उनके व्यक्तित्व और आदतों को आकार दे

घर का माहौल बच्चों के व्यक्तित्व और आदतों को आकार देने में बड़ी भूमिका निभाता है। जब बच्चे अपने

माता-पिता या घर के बड़ों को शराब पीते हुए देखते हैं, तो इसका असर उनके मानसिक और व्यवहारिक विकास पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों के सामने शराब का सेवन करना उनके लिए गलत संदेश भी दे सकता है। इससे न केवल बच्चे की सेहत पर बुरा असर पड़ता है, बल्कि उनके व्यवहार और आदतों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

गलत आदतें सीखने का खतरा

बच्चे अपने आसपास के लोगों को देखकर ही बहुत सी बातें सीखते हैं। अगर वे बार-बार किसी को शराब पीते हुए देखते हैं, तो उन्हें यह सामान्य व्यवहार लगने लगता है। इससे बड़े होकर उनमें भी शराब पीने की प्रवृत्ति विकसित हो सकती है। ऐसे माहौल में पले-बढ़े बच्चों के व्यवहार में चिड़चिड़ापन, ध्यान की कमी या पढ़ाई में रुचि कम होने जैसी समस्याएं देखी जा सकती हैं।

मानसिक तनाव और असुरक्षा

अगर घर में शराब पीने के बाद झगड़ा, गुस्सा या अस्थिर व्यवहार होता है, तो बच्चे मानसिक रूप से असुरक्षित महसूस कर सकते हैं। इससे उनके मन में डर, चिंता या तनाव की भावना बढ़ सकती है। शोध बताते हैं कि जिन बच्चों का बचपन ऐसे माहौल में बीताता है, उनमें आगे चलकर नशे की आदत

विकसित होने का जोखिम ज्यादा हो सकता है। लंबे समय तक शराब का सेवन कई मानसिक समस्याओं जैसे Alcohol Use Disorder से भी जुड़ा हुआ माना जाता है।

बच्चों पर सिगरेट के धुएं का असर

सिगरेट के धुएं में मौजूद हानिकारक रसायन बच्चों के फेफ़ड़ों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और इससे Asthma का खतरा बढ़ जाता है। जिन बच्चों को पहले से अस्थमा होता है, उनमें इसके लक्षण और ज्यादा गंभीर हो सकते हैं। लगातार धुएं के संपर्क में रहने से बच्चों के फेफ़ड़ों का विकास प्रभावित हो सकता है और सांस से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। डॉक्टरों के अनुसार सिगरेट का धुआं शिशुओं में Sudden Infant Death Syndrome का जोखिम बढ़ा सकता है, जिसमें बिना किसी स्पष्ट कारण के अचानक शिशु की मृत्यु हो सकती है।

बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए क्या करें?

घर को पूरी तरह स्मोक-फ्री रखें। बच्चों के आसपास तंबाकू के धुएं से बचें। स्वस्थ जीवनशैली का उदाहरण पेश करें। बच्चों की सेहत और भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी है कि उनके सामने सिगरेट या शराब का सेवन न किया जाए। इससे न सिर्फ़उनकी शारीरिक सेहत सुरक्षित रहती है बल्कि वे बेहतर और स्वस्थ आदतें भी सीखते हैं।

धन-समृद्धि और ऐश्वर्य के लिए हाथी की मूर्ति सही दिशा में लगाए

फेंगशुई यानी चीनी वास्तु शास्त्र में घर की ऊर्जा, सुख-समृद्धि और पैसा बढ़ाने के कई उपाय बताए गए हैं। इन्हीं उपायों में सबसे शक्तिशाली माना जाता है हाथी की मूर्ति। मान्यता है कि सही दिशा में हाथी रखने से घर में धन, सौभाग्य और सफलता बढ़ती है, जबकि गलत दिशा में रखने से किस्मत साथ छोड़ सकती है। हाथी की मूर्ति का महत्व

फेंगशुई और वास्तु शास्त्र दोनों में हाथी की मूर्ति अत्यंत शुभ मानी जाती है। इसे मान-सम्मान, विजय, दीर्घायु, धन और समृद्धि का शक्तिशाली प्रतीक कहा गया है। मान्यता है कि जब हाथी की प्रतिमा को सही दिशा और सही स्थान पर रखा जाए, तो यह घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाती है, नकारात्मक शक्तियों को दूर करती है और परिवार के सदस्यों के जीवन में तरक्की और स्थिरता लाती है। यही कारण है कि हाथी की मूर्ति को गुड़ लक के रूप में घर, ऑफ़िस और मुख्य द्वार पर स्थापित करने की परंपरा काफ़ी लोकप्रिय है।

हाथी की मूर्ति रखने की सही दिशा

फेंगशुई के अनुसार, गलत दिशा में हाथी रखने से शुभ फ़ल नहीं मिलता। इसलिए हमेशा इसे सही दिशा में रखें।

मुख्य द्वार पर-यहां हाथी की मूर्ति की सुंड ऊपर की ओर होनी चाहिए — इसे सफलता और समृद्धि



का प्रतीक माना जाता है।

मुख्य द्वार पर हाथी की जोड़ी रखने से घर में नेगेटिव ऊर्जा प्रवेश नहीं कर पाती। यह घर की रक्षा करने वाला "एनर्जी गार्ड" की तरह काम करता है।

धन और इनकम बढ़ाने के लिए उपाय अगर आप आर्थिक तंगी, रूकावटों या कर्ज से परेशान हैं, तो फेंगशुई का यह उपाय बेहद प्रभावी माना जाता है। फेंगशुई में उत्तर दिशा को धन और करियर की दिशा माना गया है। इसलिए घर के उत्तर हिस्से में चांदी का हाथी रखना शुभ फ़ल देता है। मान्यता है कि इस दिशा में चांदी का हाथी रखने से इनकम बढ़ने के अवसर बनने लगते हैं और व्यापार में आ रही बाधाएँ भी धीरे-धीरे खत्म होती हैं। इसके अलावा, चांदी के छोटे हाथी को लाल कपड़े में लपेटकर लॉकर या धन रखने वाले

स्थान पर रखा जाए, तो यह कर्ज से मुक्ति और धन वृद्धि के योग बनाता है। यह उपाय घर की आर्थिक ऊर्जा को मजबूत करता है और सकारात्मक प्रवाह को बढ़ाता है।

एक हाथी की मूर्ति रखने से बचें

फेंगशुई के अनुसार घर में अकेला हाथी रखना शुभ नहीं माना जाता। मान्यता है कि एक ही हाथी न तो ऊर्जा का सही संतुलन बना पाता है और न ही सौभाग्य को आकर्षित करता है। इसलिए हमेशा हाथियों की जोड़ी ही रखी जानी चाहिए। जोड़ी में रखे गए हाथी घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाते हैं, पारिवारिक रिश्तों में स्थिरता लाते हैं और सौभाग्य के अवसरों को मजबूत करते हैं।

बेडरूम में हाथी की मूर्ति रखने के फ़ायदे

यह माना जाता है कि विवाहित जीवन में सामंजस्य और प्रेम बढ़ाने के लिए बेडरूम में हाथी की जोड़ी रखना शुभ होता है। फेंगशुई के अनुसार, हाथी की यह प्रतिमा दांपत्य संबंधों में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाती है। इसे बेडरूम में रखने से पति-पत्नी के बीच प्रेम और विश्वास मजबूत होता है, साथ ही रिश्ते में चल रही गलतफ़हमियाँ और तनाव भी कम होते हैं। माना जाता है कि हाथी की यह जोड़ी दंपति के संबंधों के चारों ओर एक प्रकार का ऊर्जा सुरक्षा कवच बनाती है, जो नकारात्मक प्रभावों को दूर कर वैवाहिक जीवन में स्थिरता और खुशहाली लाती है।

यदि आप भी बीच लवर है और आपको भी समुद्र किनारे छुट्टी मनाने का एक अलग ही एहसास लगता है, तो यह लेख सिर्फ़आपके लिए है। एक बीच लवर को लहरों की आवाज़, पैरों के नीचे मुलायम रेत और दूर-दूर तक नीला आसमान मन को सुकून दे देता है। बीच वेकेशन रिलैक्सेशन प्रदान करता है साथ ही एडवेंचर, नेचर और खूबसूरत सनसेट्स के नजारे देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

दुनिया में कई ऐसे समुद्र स्थल जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, लगजरी लाइफ़ के लिए जाना जाता है। चाहे आप पार्टी-लविंग ट्रैवलर हों, शांत वेकेशन पसंद करते हों या वॉटर स्पोर्ट्स के शौकीन हों, तो इन बीच डेस्टिनेशन्स पर जरूर जाएं।

आइए आपको बताते हैं 5 बेस्ट बीच प्लेसेज, जहां आपको लाइफ़में एक बार जरूर जाना चाहिए।

मालदीव

दुनिया का सबसे रोमांटिक और शांत बीच



डेस्टिनेशन्स में से मालदीव एक है। मालदीव में क्रिस्टल-विलयन पानी, ओवरवॉटर विला और लगजरी रिजॉर्ट्स हर ट्रैवलर का सपना होते हैं। सॉर्फ़ेकिंग, डाइविंग और अंडरवॉटर डाइनिंग के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। कपल्स के लिए

यह शानदार जगह है।

गोवा, इंडिया

भारत का सबसे ज्यादा बीच वाल राज्य गोवा को पसंद किया जाता है। यहां पर हर मौसम में



पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यहां पर बागा, अंजुना, पालोलेम और कोलवा जैसे बीच खूबसूरती के साथ ही रोमांचक वॉटर स्पोर्ट्स भी ऑफ़र करते हैं।



बाली, इंडोनेशिया

बाली की बीच लाइफ़बेहद ही सुंदर है। यहां के शांत सनसेट्स देखने का एक अलग ही मजा आता है। नूसा दुआ, जिम्बरेन, सेमिन्याक और उलुवाटू जैसे बीच एकदम परफेक्ट है। बाली में योग, स्या और कैफे-क्लबर का सबसे बेस्ट

अनुभव मिलता है, जो इसे फेवरेट बीच डेस्टिनेशन बनाता है।

सेशेल्स

बीच डेस्टिनेशन सेशेल्स एक शानदार जगह है। यहां पर प्रिस्टीन व्हाइट सैंड और नीले लेगूनस के लिए जाना जाता है। यह जगह लगजरी ट्रैवलर्स और हनीमून कपल्स के लिए किसी सपने जैसी डेस्टिनेशन है।

अंडमान-निकोबार

भारत के अंडमान द्वीप समूह राधानगर और एलिफेंट बीच जैसे शांत और सुंदर समुद्र तटों के लिए जाना जाता है। यहां की कोरल रीफ्स, ग्लास-बॉटम बोट राइड्स और स्कूबा डाइविंग का शानदार अनुभव देता है।

निदेशक संदीप रेड्डी वंगा की बहुचर्चित आगामी फिल्म ‘स्पिरिट’ अपनी रिलीज से काफी पहले ही सुर्खियों और विवादों में



निदेशक संदीप रेड्डी वंगा की बहुचर्चित आगामी फिल्म ‘स्पिरिट’ (Spirit) अपनी रिलीज से काफी पहले ही सुर्खियों और विवादों में आ गई है। फिल्म के सह-निर्माता और संदीप के भाई प्रणय रेड्डी वंगा ने फिल्म समीक्षकों (क्रिटिक्स) को खुलकर चुनौती दी है कि जब यह फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक दे, तब वे अपने नेगेटिव रिव्यू से इसे ‘खत्म’ करके दिखाएं। यह तीखी प्रतिक्रिया प्रणय ने अपनी हालिया प्रोडक्शन फिल्म ‘रोमांचकम्’ (2026) के प्रमोशन के दौरान दी, जिसे समीक्षकों से मिले-जुले रिव्यू मिले थे।

प्रोड्यूसर प्रणय रेड्डी वंगा ने खुलेआम क्रिटिक्स को चुनौती दी है कि जब फिल्म थिएटर में आएगी तो वे इसे निशाना बनाएं। संदीप के भाई प्रणय ने कहा कि फिल्म रिलीज होने के बाद क्रिटिक्स अपने रिव्यू से ‘स्पिरिट’ को ‘खत्म’ करने की कोशिश कर सकते हैं।

उन्होंने यह बात अपनी हाल ही में रिलीज हुई प्रोडक्शन फिल्म ‘रोमांचकम्’ (2026) के बारे में बात करते हुए कही, जो 3 सितंबर को थिएटर में रिलीज हुई थी और जिससे मिले-जुले रिव्यू मिले थे। आलोचनाओं का जिक्र करते हुए प्रणय ने सवाल उठाया कि फिल्मों का रिव्यू कितनी आसानी से कर दिया जाता है और फिल्म बनाने में आने वाली मुश्किलों के बारे में बात की।

‘द इंडियन एक्सप्रेस’ के अनुसार, उन्होंने कहा, "अगर आप प्रोडक्शन में आते हैं, तो आप समझते हैं कि

डायरेक्टर लिखी हुई चीज को असल रूप देने के लिए कितनी मेहनत करता है और प्रोडक्शन के दौरान किस तरह की दिक्रतें आती हैं।"

इसके बाद उन्होंने कहा कि अगर क्रिटिक्स चाहें तो टीम की आने वाली फिल्म की ‘स्पिरिट’ (उत्साह/भावना) को ‘खत्म’ करने की कोशिश कर सकते हैं। प्रणय ने आगे कहा, "उन्होंने मुर्गी के अंडे से पंख नोच लिए। अगर वे सच में कुछ करने के काबिल हैं, तो देखते हैं जब ‘स्पिरिट’ रिलीज होगी। हम देखेंगे जब यह रिलीज होगी।"

‘स्पिरिट’ प्रभास और संदीप रेड्डी वंगा के बीच पहला कोलेबोरेशन है। उम्मीद है कि यह फिल्म एक एक्शन ड्रामा होगी, जिसमें प्रभास एक दमदार पुलिस ऑफिसर का रोल निभाएंगे। शुरु में दीपिका पादुकोण को प्रभास के अपोजिट कास्ट किया जाना था, लेकिन बाद में तृति डिमरी को इस प्रोजेक्ट में लाया गया। फिल्म में विवेक ओबेरॉय और प्रकाश राज भी अहम रोल निभा रहे हैं।

कुछ हफ्ते पहले, ‘रोमांचकम्’ के ट्रेलर लॉन्च पर संदीप रेड्डी वंगा ने कहा था कि ‘स्पिरिट’ में हिंसक और इंटेंस कंटेंट होने की वजह से इसे एडल्ट रेटिंग मिलने की उम्मीद है। ‘स्पिरिट’ अपनी लीड कास्ट को लेकर लगातार चर्चा में रही है। पहले अटकलें थीं कि दीपिका ने काम के घंटों की पाबंदियों की वजह से यह प्रोजेक्ट छोड़ दिया, जिससे संदीप की फिल्म ‘एनिमल’ से मशहूर

Big Boss 20 आसिफ़खान और अमन गांधी की बहस ने सबका ध्यान खींचा, अरिजीत ‘ऋजीपन’ के "पिता" हैं

बिग बॉस 20 ‘ के घर में रोज़ नए समीकरण, दोस्ती और तकरार देखने को मिल रही है। हालिया एपिसोड में गायक काजी तौकीर ने अपने पुराने दोस्त और मशहूर प्लेबैक सिंगर अरिजीत सिंह को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए और उन्हें एक खास म्यूजिकल ट्रिब्यूट दिया। वहीं दूसरी ओर, शो के नए प्रोमो में आसिफ़खान और अमन गांधी के बीच तीखी बहस और कनिका मान के साथ गुलू की प्लटिंग ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

काजी अमन गांधी से बात कर रहे थे, तभी बातचीत अरिजीत पर आ गई। सिंगर की पर्सनेलिटी और टैलेंट की तारीफ़ करते हुए काजी ने कहा कि अगर वह खुद ‘ऋजी’ (अतरंगी) हैं, तो अरिजीत इस ‘ऋजीपन’ के "पिता" हैं। जब अमन ने कहा कि काजी नेशनल टेलीविजन पर ऐसी बातें कर रहे हैं, तो उन्होंने जवाब दिया कि अरिजीत को इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ेगा। काजी ने आगे कहा कि अरिजीत "अलग लेवल" पर काम करते हैं और उन्हें "मैड साइंटिस्ट" कहा। फिर उन्होंने सिंगर की तरफ़ प्लाइंग किस किया और कहा कि वह उनसे

बहुत प्यार करते हैं।

काजी ने अरिजीत के लिए ‘तुम ही हो’ गाना गाया

अरिजीत के लिए काजी की तारीफ़ सिर्फ़ बातों तक ही सीमित नहीं थी। दूसरे कंटेस्टेंट्स के साथ सिंगर के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह उनका बहुत सम्मान करते हैं और अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। फिर उन्होंने अरिजीत को ट्रिब्यूट देने के लिए ‘आशिकी 2’ का गाना ‘तुम ही हो’ गाया। यह पल इसलिए खास था क्योंकि दोनों सिंगर्स का एक पुराना रिश्ता है; वे पहली बार 2005 में ‘फेम गुरुकुल’ के दौरान मिले थे।

अरिजीत Bigg Boss 20 देखने का प्लान बना रहे हैं

काजी की ये बातें तब सामने आई जब अरिजीत ने सोशल मीडिया पर बताया कि वह पहली बार Bigg Boss देखने का प्लान बना रहे हैं क्योंकि उनके दोस्त इस सीज़न में हिस्सा ले



रहे हैं। अरिजीत ने लिखा कि उन्हें ज़िंदगी में पहली बार Bigg Boss देखना होगा क्योंकि शो में "हमारे रॉकस्टार काजी" हैं। इस पोस्ट ने उनकी दोस्ती पर भी सबका ध्यान खींचा, जो म्यूजिक इंडस्ट्री में अलग-अलग रास्ते चुनने के बावजूद कायम रही है।

सिडनी स्वीनी स्पोर्ट्स ब्रांड के विज्ञापन में उनके बोल्ड अंदाज को लेकर सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

हॉलीवुड अभिनेत्री सिडनी स्वीनी एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार उनकी एक खेल से जुड़े सामान के ब्रांड के लिए बनाई गई नई विज्ञापन मुहिम सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही है। विज्ञापन के सामने आने के बाद लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कुछ लोगों को इसका अलग अंदाज पसंद आया, जबकि कुछ ने खेल और बोल्ड दृश्यों को एक साथ पेश करने के तरीके पर सवाल उठाए हैं।

कैमरे के सामने सिडनी ने कही ये बात

विज्ञापन की शुरुआत सिडनी स्वीनी के कैमरे की तरफ़देखते हुए होती है। वह कहती हैं, "वया आपको लगता है कि आप खेलों को जानते हैं? तो इसे साबित कीजिए।" इसके बाद वह बताती हैं कि यह मुहिम सिर्फ़ खेलों के ब"रारे में है, लेकिन इसके बाद विज्ञापन का अंदाज अचानक बदल जाता है।

खेल के सामान के साथ दिखा अलग अंदाज

विज्ञापन में सिडनी स्वीनी बिना कपड़ों के नजर आती हैं और खेल से जुड़े सामान की मदद से अपने शरीर के निजी हिस्सों को ढकती दिखाई देती हैं। इसी वजह से विज्ञापन सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा का विषय बन गया है।

किसी ने बताया शानदार प्रचार, तो किसी ने उठाए सवाल

विज्ञापन को लेकर लोगों की राय एक जैसी नहीं है। कुछ लोगों का मानना है कि ब्रांड ने अलग और चौंकाने वाला तरीका अपनाकर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचने में सफलता हासिल की है। वहीं, कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि खेल से जुड़े विज्ञापन में इस तरह के दृश्यों को शामिल करने की जरूरत क्यों पड़ी।

सोशल मीडिया पर लगातार हो रही चर्चा

विज्ञापन के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर लगातार चर्चा हो रही है। लोग इस बात पर बहस कर रहे हैं कि यह प्रचार का एक सोच-समझकर अपनाया गया नया तरीका है या फिर ध्यान खींचने के लिए हद से आगे जाने की कोशिश।

सिडनी स्वीनी ने अब तक नहीं दी प्रतिक्रिया

सिडनी स्वीनी ‘यूफेरिया’ और ‘एनीवन बट यू’ जैसी चर्चित फिल्मों और धारावाहिकों में काम कर चुकी हैं। नए विज्ञापन को लेकर हो रही चर्चाओं पर अभिनेत्री की ओर से अभी तक कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। विज्ञापन के लगातार सोशल मीडिया पर फैलने के साथ ही इसे लेकर बहस भी जारी है।



सुप्रिया की शानदार हैट्रिक की मदद से भारतीय टीम ने दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराकर हॉकी जूनियर एशिया कप के फाइनल में बनाई जगह

पहले सेमीफ़ाइनल में दक्षिण कोरिया पर 5-1 की शानदार जीत के साथ भारत हॉकी जूनियर एशिया कप के फ़ाइनल में पहुँच गया। इंग्लैंड-फ़िलिप स्पेशलिस्ट सुप्रिया ने अहम मौक़े पर शानदार खेल दिखाया और पेनल्टी कॉर्नर से तीन गोल करके भारत को बढ़त दिलाने में मदद की। वहीं, मौजूदा चैंपियन से संभलकर शुरुआत करने के बाद नॉकआउट मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत की और हाफ़-टाइम से पहले ही मैच पर नियंत्रण बना लिया। 13वें मिनट में मधु सिदार ने गोल करके भारत को ज़रूरी बढ़त दिलाई; उन्होंने एक अटैकिंग म्यू को गोल में बदलकर यह कामयाबी हासिल की।

इसके चार मिनट बाद सुप्रिया ने भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। 17वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला और इंग्लैंड-फ़िलिप स्पेशलिस्ट ने सटीक शॉट लगाकर कोरियाई डिफेंस को हैरान कर दिया। 2-0 की बढ़त बनाने के बाद भी ‘ब्लू जर्सी’ वाली भारतीय टीम ने बॉल पर कब्ज़ा और मैदान पर अपना दबदबा बनाए रखा, और उनके दबाव का नतीजा 21वें मिनट में एक और गोल के रूप में सामने आया।

कोरियाई टीम के 23-मीटर एरिया में हवा में आई एक बॉल से सर्कल के अंदर एक क्रॉस बना, जिस पर सुखवीर कौर ने गोल करके टीम को 3-0 की बढ़त दिलाई। साउथ कोरिया ने ब्रेक से पहले वापसी की कोशिश की और कई मौके बनाए, लेकिन भारत का डिफेंस मजबूत बना रहा और पहला हाफ़ 3-0 के स्कोर पर खत्म हुआ।



भारत ने उसी आक्रामक इरादे के साथ खेल जारी रखा और जल्द ही बढ़त को और बढ़ा दिया। 33वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर सुप्रिया ने अपना दूसरा गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया। हालाँकि, 41वें मिनट में दक्षिण कोरिया को सफलता मिली, जब यूरी जियॉंग ने सेट-पीस से गोल किया। इस गोल से अंतर कम होकर 4-1 हो गया और कोरियाई टीम को मोमेंटम वापस पाने का एक छोटा सा मौका मिला।

साउर्न रेलवे ने 4300 से अधिक अप्रेंटिस पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरु चयन लिखित परीक्षा के बिना सीधे 10वीं और

सरकारी नौकरी की चाहत रखने वालों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, भारतीय रेलवे की तरफ से करियर शुरु करने का बेहतरीन मौका है। साउथर्न रेलवे ने 4 हजार से अधिक ज्यादा सीटों के लिए अप्रेंटिसशिप सीटें भरने का ऐलान किया है। यह ऑर्बिुनिटी उन कैडिडेट्स के लिए अच्छा मौका बन सकती हैं, जिन्हें नौकरी के लिए अच्छी जगह से एक्सीरियंस प्राप्त करना है। पढ़ाई के बाद काम के असल वातावरण में ट्रेनिंग लेने के साथ ही कैडिडेट्स को रेलवे की तरफ से स्टाइपेंड दिया जाएगा। साउथर्न रेलवे अप्रेंटिस के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरु हो गए हैं। इच्छुक उम्मीदवार ronline.etr-pindia.com पर आवेदन कर सकते हैं।

रेलवे अप्रेंटिस 2026 के लिए योग्यता

- उम्मीदवार को मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ 10वीं पास या समकक्ष योग्यता हासिल की हो। मेडिकल लैबोराट्री टेक्नीशियन (रेडियोलॉजी/पैथोलॉजी/कार्डियोलॉजी) के लिए 50 प्रतिशत अंकों के साथ फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के साथ 12वीं पास किया हो।

- एक्स-आईटीआई कैटेगिरी के लिए उम्मीदवार ने 10वीं पास की हो,



-10वीं पास फ़्रेअर- 8200/- प्रति माह
-12वीं पास फ़्रेअर- 9600/- प्रति माह
-एक्स-आईटीआई 9600/- प्रति माह

मेरिट बेस्ड सेलेक्शन

इस भर्ती के चलते अभ्यर्थी का चयन बिना किसी लिखित परीक्षा सीधे मेरिट बेस्ड पर किया जाएगा। फ़ेशर कैटेगिरी के लिए अभ्यर्थियों के 10वीं और आईटीआई को मिलाकर मेरिट लिस्ट बनेगी। एमएलटी के लिए हायर सेकेंडरी फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ और बायोलॉजी के नंबर देखे जाएंगे। अप्लाई करने की लास्ट डेट 27 सितंबर 2026 है।

साथ ही संबंधित ट्रेड में आईटीआई किया हो।

- सेक्रेटेरियल असिस्टेंट एंड स्टोनोग्राफ़र (इंग्लिश) के लिए 12वीं पास के साथ आईटीआई मांगी गई है।

- उम्मीदवार कम से कम उम्र 15 वर्ष और अधिकतम उम्र 22/24 वर्ष तक होनी चाहिए। ऊपरी उम्र नियमानुसार 3 से 15 साल की छूट मिलेगी।

स्टाइपेंड कितना मिलेगा ?

अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के दौरान अभ्यर्थियों को स्टाइपेंड मिलेगा। इसकी राशि फ़ेशर और आईटीआई कैटेगिरी के मुताबिक तय की गई है।

12 ज्योतिर्लिंगों में से छठवें ‘भीमाशंकर मंदिर भक्त सत्त्वे मन से महादेव से प्रार्थना करते हैं,उनकी सभी मनोकामनाएं होती पूरी

भगवान शिव के पवित्र 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन मात्र से ही तमाम बाधाएं, ग्रह दोष, बुरे विचार और नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं। सावन के महीने में द्वादश ज्योतिर्लिंगों में किसी एक भी ज्योतिर्लिंग के दर्शन करना उस समान ही पुण्य देता है, जितना की चारधाम यात्रा से मिलता है। क्योंकि इस दौरान महादेव धरती पर निवास करते हैं और जो भी भक्त सत्त्वे मन से उनकी प्रार्थना करते हैं, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से छठवें ज्योतिर्लिंग ‘भीमाशंकर’ के बारे में बताने जा रहे हैं।

शिव महापुराण में भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों का धूलोक सौराष्ट्रे सोमनाथं च श्रीशैले मल्लिकार्जुनम् उज्जयिन्यां महाकाल ओम्कारममलेश्वरम् ॥ परल्यां वैद्यनाथं च डाकिन्यां भीमशंकरं सेतुबन्धे तु रामेशं नागेशं दारुकावने ॥ वारणस्यां तु विश्वेशं त्रयम्बकं गौतमीतीटे हिमालये तु केदारं घृणेशं च शिवालये ॥ एतानि ज्योतिर्लिङ्गानि सायं प्रातः पठेत्रन्नः सप्तजन्मकृतं पापं स्मरणेन विनश्यति ॥ भीमाशंकर मंदिर का इतिहास त्रेतायुग में त्रिपुरासुर नामक दैत्य था। उसने भगवान शिव की पूजा कर उनसे अमरता का

वरदान प्राप्त किया। महादेव की तपस्या से खुश होकर महादेव ने उसको आशीर्वाद देते हुए कहा कि कोई भी महिला या पुरुष तुमको मार नहीं सकता है। भगवान शिव के आशीर्वाद से वह तीनों लोक में जमकर खूब आतंक मचाने लगा। सभी देवता और मनुष्य उस दैत्य के आतंक से परेशान हो गए हैं। जिसक बाद सभी देवता भगवान शिव के शरण में पहुंचे और महादेव ने उस दैत्य को खत्म करने का फैसला किया। फिर महादेव और मां पार्वती ने अर्धनारी नटेश्वर के रूप में एक नया रूप धारण किया। फिर कार्तिका पूर्णिमा के दिन त्रिपुरासुर को मौत के घाट उतार दिया।



त्रिपुरासुर दैत्य की मौत के बाद उसकी पत्नियां डाकिनी और शाकिनी ने महादेव के पास त्रिपुरासुर के बिना अपने अस्तित्व के बारे में पूछा था। तब

भगवान शिव ने दोनों को अमरता का वरदान दे दिया। जो महादेव ने त्रिपुरासुर को प्रदान किया था। तब से भीमाशंकर को ‘डाकिन्याभीशंकरम्’

के नाम से जाना जाता है।

जानें इस मंदिर से जुड़ी जानकारी

भीमाशंकर मंदिर चारों ओर पहाड़ियों से घिरा हुआ है। मंदिर की करीब 3.5 मीटर चौड़ा और करीब 15 मीटर लंबाई में है। माना जाता है कि छत्रपति शिवजी महाराज ने इस मंदिर का निर्माण कराया था। जिसके बाद इस मंदिर के शिखर को 18वीं शताब्दी में नाना फ़णवीस ने बनवाया था।

इस ज्योतिर्लिंग से जुड़ी कई कथाएं प्रचलित हैं। जिसमें एक कथा यह भी है कि कुंभकर्ण के पुत्र का नाम भीम था। वह अपने पिता की मौत का बदला लेना चाहता था। जिसके लिए उसने घोर तपस्या की और ब्रह्माजी से विजय होने का वरदान प्राप्त किया। वरदान पाने के बाद उसने तीनों लोकों में आतंक मचाना शुरूकर दिया था। इसके बाद भोलेनाथ ने भीम राक्षस से युद्ध किया और उसका वध कर दिया था।

जिसके बाद सभी देवताओं ने भगवान से वहीं पर शिवलिंग रूप में विराजमान होने का आग्रह किया। इस आग्रह को महादेव ने स्वीकार कर लिया। तभी से इसको भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के नाम से जाना जाता है।

सार-संक्षेप

उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत ने दिया कांग्रेस में अपने पदों से इस्तीफा

देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने शनिवार को राज्य कांग्रेस कमेटी और कांग्रेस वर्किंग कमेटी के अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। उनके ओएसडी चंदन सिंह जीना के पास से भारी मात्रा में कैश और गहने जब्त होने की खबर के बाद उन्होंने यह कदम उठाया। रावत ने कहा कि वह "नहीं चाहते कि उनके किसी काम से पार्टी का संघर्ष कमजोर हो, साथ ही उन्होंने अपने सहयोगी पर लगे किसी भी तरह के गलत काम के आरोपों से इनकार किया। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) द्वारा 2016 में आयोजित भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरीश रावत ओएसडी के ठिकानों पर छापेमारी की।

भिंड लोक अदालत में टूटता रिश्ता जुड़ा



भिंड। राष्ट्रीय लोक अदालत में शनिवार को कानूनी विवादों के समाधान के साथ रिश्तों को बचाने और परिवारों को टूटने से रोकने की मानवीय पहल भी देखने को मिली। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश कालू सिंह बारिया के मार्गदर्शन में आयोजित लोक अदालत के दौरान कुटुंब न्यायालय भिंड की खंडपीठ क्रमांक-1 में वर्षों से चले आ रहे 76 वर्षीय दंपती के विवाद आपसी समझाइश और मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाए गए।

ईरानी राष्ट्रपति की बेटी जहरा पहंचीं BRICS बाजार, पारंपरिक क्राफ्ट्स और टेक्सटाइल का किया दीदार

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकयान की बेटी जहरा पेजेशिकयान और उनके पति हसन मजीदी ने नई दिल्ली के नेशनल क्राफ्ट्स म्यूजियम में ब्रिक्स बाजार का दौरा किया। वहाँ उन्होंने ब्रिक्स के सदस्य और सहयोगी देशों के टेक्सटाइल, हैंडीक्राफ्ट और सांस्कृतिक प्रदर्शनों को देखा। भारत में ईरानी दूतावास के आधिकारिक अकाउंट से इस दौरे की जानकारी दी गई, जिससे राजधानी में चल रही ब्रिक्स गतिविधियों में एक सांस्कृतिक पहलू भी जुड़ गया। बाजार के वीडियो में जहरा काले अबया में टेक्सटाइल और क्राफ्ट के प्रदर्शन (जिसमें ईरान का स्टॉल भी शामिल था) को देखती हुई और "ब्रिक्स इंडिया 2026" के बैकड्रॉप के सामने भारतीय प्रतिनिधियों के साथ तस्वीरें खिंचवाती हुई नज़र आ रही हैं।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री और कोडरमा लोकसभा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने भी इस दौरे की कई तस्वीरें शेयर कीं। बाजार में जहरा का स्वागत करते हुए उन्होंने लिखा, "नई दिल्ली के नेशनल क्राफ्ट्स



म्यूजियम में #BRICSBazaar में ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकयान की बेटी जहरा पेजेशिकयान का स्वागत करके खुशी हुई। उन्होंने आगे कहा उन्हें बाजार घुमाने और BRICS सदस्य और सहयोगी देशों की समृद्ध परंपराओं, कला, शिल्प और सांस्कृतिक विरासत को दिखाने का मौका मिला। 7

भारतीय राजकुमारियाँ जिनके बारे में आपको जानना चाहिए। नई दिल्ली में नेशनल क्राफ्ट्स म्यूजियम और हस्तकला अकादमी में 10 से 15 सितंबर तक आयोजित हो रहा 'ब्रिक्स बाजार', पारंपरिक कारीगरी को ब्रिक्स के बड़े कार्यक्रम के केंद्र में रखता है।

इस प्रदर्शनी में भाग लेने वाले देशों की खास सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाने वाले टेक्सटाइल और शिल्प शामिल हैं। इसमें बुने हुए स्ट्राइप्स और इकत डिजाइन, ब्रोकेड और जैकार्ड का काम, साथ ही प्रिंटेड और रंगे हुए सूती और रेशमी कपड़े शामिल हैं।

देशों के लिए बने पैनल में ईरान, भारत, चीन, ब्राजील, बोलीविया, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, कजाकिस्तान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, क्यूबा, बेलारूस, मलेशिया, नाइजीरिया, युगांडा और वियतनाम के साथ-साथ अन्य पार्टनर और सदस्य

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर लखनऊ में बीजेपी कोर ग्रुप की दो घंटे से अधिक हुई बैठक

भारतीय जनता पार्टी ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी के कोर ग्रुप ने शुक्रवार शाम लखनऊ में एक अहम बैठक की। BJP के राज्य मुख्यालय में हुई यह बैठक दो घंटे से ज्यादा समय तक चली और इसमें पार्टी की चुनावी तैयारियों, संगठनात्मक रणनीति और आने वाले अभियानों पर चर्चा हुई। यह बैठक उत्तर प्रदेश BJP द्वारा अपने क्षेत्रीय और फ़ंटल संगठनों के प्रभारियों (जिनमें छह क्षेत्रीय प्रभारी भी शामिल हैं) की घोषणा के कुछ ही समय बाद हुई है।

इस बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, उत्तर प्रदेश के प्रभारी विनोद तावड़े, सह-प्रभारी जगदीश पटेल, राज्य बीजेपी अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक शामिल हुए। बैठक के बाद पंकज



चौधरी ने बताया कि नेताओं ने 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारियों और आने वाले महीनों में पार्टी की दिशा को लेकर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में मुख्य रूप से 17 सितंबर से शुरू होने वाले अभियानों पर चर्चा हुई, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के साथ मेल खाते हैं। पंकज चौधरी ने कहा कि बीजेपी 17 सितंबर से 'सेवा संकल्प' और

'सुशासन' अभियान शुरू करेगी। उन्होंने बताया कि बैठक में इन अभियानों की तैयारियों और उन्हें लोगों तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा की गई। चौधरी ने कहा कि हमने बीएल संतोष, बीजेपी उत्तर प्रदेश के प्रभारी और महासचिव विनोद तावड़े, सह-प्रभारी जगदीश पटेल, मुख्यमंत्री और दोनों उप-मुख्यमंत्रियों के साथ विस्तार से चर्चा की। तैयारियों के साथ-साथ हमने 17 सितंबर से शुरू होने वाले सेवा संकल्प और सुशासन अभियानों की योजनाओं पर भी चर्चा की।

पंकज चौधरी ने यह भी कहा कि उन्हें राज्य बीजेपी अध्यक्ष का पद संभाले हुए ज्यादा समय नहीं हुआ है और जल्द ही राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक बुलाने पर चर्चा हुई। नेतृत्व ने इस बात पर भी चर्चा की कि आने वाले महीनों में संगठन को किस दिशा में काम करना चाहिए और 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारियों को कैसे आगे बढ़ाया

मणिपुर की खूबसूरत Loktak Lake पहुंचे अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर बोट राइड का उठाया लुत्फ

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने शनिवार को मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में खूबसूरत लोकटक झील का दौरा किया और पूर्वोत्तर राज्य की अपनी यात्रा के दौरान नाव की सवारी का आनंद लिया। गोर ने इम्फाल में मणिपुर के मुख्यमंत्री युमफाम खेमचंद सिंह और गवर्नर अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की।

इस मुलाकात में उन्होंने अमेरिका और भारत के बीच आपसी सहयोग को मजबूत करने और आर्थिक संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की। मुख्यमंत्री के साथ हुई मुलाकात के बारे में बताते हुए गोर ने कहा कि उन्हें मणिपुर के लिए खेमचंद सिंह की सोच (विजन) के बारे में जानकर अच्छा लगा और उन्होंने इस बात पर विचार साझा किए कि दोनों देश आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के लिए कैसे मिलकर काम कर सकते हैं।

गोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मुख्यमंत्री @YKhemchandSingh से मणिपुर के लिए उनकी सोच के बारे में सुनकर अच्छा लगा। हमने इस बारे में विचार साझा किए कि अमेरिका और भारत आर्थिक संबंधों को बढ़ाने के लिए कैसे मिलकर काम कर सकते हैं। मुख्यमंत्री



ने मुझे मणिपुर संगई फेस्टिवल के लिए दोबारा आने का निमंत्रण भी दिया।" गोर ने मणिपुर के गवर्नर अजय कुमार भल्ला से भी मुलाकात की और भारत तथा अमेरिका के बीच लगातार सहयोग बनाए रखने के महत्व पर चर्चा की।

इस बीच, खेमचंद सिंह ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी दूत के साथ अमेरिका और मणिपुर के रिश्तों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा, "आज मेरे सचिवालय में भारत में अमेरिका के राजदूत श्री सर्जियो गोर से मिलकर खुशी हुई। हमें अमेरिका और मणिपुर के बीच रिश्ते पर चर्चा करने का मौका मिला।

मुझे भरोसा है कि आने वाले सालों में अमेरिका और मणिपुर (भारत) के बीच संबंध और मजबूत होंगे।" उन्होंने बताया कि गोर के साथ कोलकाता में अमेरिकी कॉन्सल जनरल कैथी जाइल्स-डियाज भी थीं। मणिपुर में ये बैठकें गोर की दार्जिलिंग यात्रा के बाद हुईं, जो राज्यसभा सांसद, पूर्व विदेश सचिव और अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत हर्षवर्धन श्रृंगला के निमंत्रण पर हुई थी।

आकाश आनंद पर क्यों गिरी गाज? मायावती का यूपी चुनाव में क्या है प्लान

अशोक सिद्धार्थ ने राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान किया, लेकिन इससे बीएसपी में उनके दामाद आकाश आनंद की जगह नहीं बच पाई। गुरुवार को मायावती ने अपने भतीजे को पार्टी से निकाल दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि आनंद ने बहुजन आंदोलन से ज्यादा परिवार के प्रति वफ़ादारी को अहमियत दी। यह फैसला 3 सितंबर को आनंद को राष्ट्रीय समन्वयक के पद से हटाए जाने के एक हफ्ते बाद आया।

मायावती ने पार्टी में उनकी सक्रिय भूमिका में वापसी को सिद्धार्थ के राजनीति से पूरी तरह हटने से जोड़ा था। जब यह घोषणा हुई, तो उन्होंने कहा कि यह बहुत बुरा आया।

बार-बार मौके, बार-बार झटके-मायावती के नेतृत्व में आकाश के राजनीतिक सफ़र में कई उतार-चढ़ाव आए हैं, और यह उनका सबसे ताजा झटका है। उन्हें पहली बार मई 2024 में और फिर मार्च 2025 में बीएसपी से निकाला गया था। दोनों ही बार, उन्हें एक महीने के अंदर



वापस ले लिया गया और बाद में अहम जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। उन्हें संगठन की एक बड़ी भूमिका से हटाने का ताजा मामला 3 सितंबर को सामने आया, जब बीएसपी ने उन्हें राष्ट्रीय समन्वयक के पद से हटा दिया। इस घटनाक्रम से पता चलता है कि बार-बार मौके मिलने के बावजूद, आकाश बीएसपी प्रमुख का भरोसा बनाए रखने में नाकाम रहे।

ईशान पर भरोसा-इस माहौल में, आकाश के छोटे भाई ईशान आनंद द्वारा मायावती के बयान

को तुरंत रीपोस्ट करने की खबर अहम हो जाती है। मायावती ने हाल ही में ईशान को पार्टी में अहम जिम्मेदारियाँ सौंपी हैं। जहाँ आकाश का पहले वाले पोस्ट को रीपोस्ट न करना आलोचना का विषय बना, वहीं मायावती के रुख का समर्थन करने के लिए ईशान की तत्परता दोनों भाइयों के बीच एक बड़ा अंतर दिखाती है। अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटाने के चार दिन बाद, मायावती ने सोमवार को अपने छोटे

भतीजे ईशान आनंद को पार्टी के संगठन में एक अहम पद पर नियुक्त किया।

बीएसपी के पदाधिकारियों का कहना है कि लखनऊ में हुई पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद ईशान की बढ़ती भूमिका को लेकर अटकलें तेज हो गईं; इस बैठक में ईशान भी मौजूद थे। पार्टी के पदाधिकारियों का मानना है कि वह मायावती के उत्तराधिकारी हो सकते हैं और उनकी हालिया नियुक्ति इसी बात का संकेत है।

इथियोपिया ने भारतीय खनन कंपनियों को दिया न्योता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली और मलेशिया के अपने समकक्ष अनवर इब्राहिम के साथ अलग-अलग बैठक की। शनिवार को नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर हुई द्विपक्षीय बैठक में विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की गई। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान जारी इसकी जानकारी दी। दोनों देशों ने भारत के साथ रक्षा सहयोग को और मजबूत करने में गहरी रुचि दिखाई है।

वहीं एमईए सूत्र के अनुसार, इन बैठकों में बहुत अहम मुद्दों पर चर्चा हुई और आर्थिक सहयोग, रक्षा और सुरक्षा साझेदारी तथा क्षमता निर्माण सहित प्रमुख क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की गई। संकेत मिले हैं कि इथियोपिया और मलेशिया रक्षा, निवेश और सेमीकंडक्टर पर भारत के साथ बड़े समझौते की ओर बढ़ रहे हैं। इथियोपिया ने विशेष रूप से भारतीय खनन कंपनियों के लिए अपने देश का द्वार खोलने की बात कही तो वहीं मलेशिया के



साथ सेमी कंडक्टर को लेकर सार्थक बातचीत हुई है। इससे पहले विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान जारी कर द्विपक्षीय बैठकों की जानकारी दी थी। मलेशिया के पीएम के साथ हुई बैठक के बाद जारी बयान के अनुसार, दोनों ने फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया यात्रा के नतीजों पर बात की और व्यापार व निवेश, रक्षा व सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, इंफ्रस्ट्रक्चर, डिजिटल अर्थव्यवस्था,

ऊर्जा, फ़िटेक, शिक्षा, पर्यटन और लोगों के बीच आपसी संबंधों जैसे कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कोटा किनाबालू, सबाह में भारत का वाणिज्य दूतावास खोलने के लिए मलेशिया की सहमति जताई।

वहीं, इथियोपिया के अपने समकक्ष पीएम अबी अहमद अली के साथ बातचीत में पीएम मोदी ने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की। बैठक के दौरान, पीएम मोदी ने 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में

इथियोपिया की भागीदारी की सराहना की और कहा कि देश की उपस्थिति ने 'ग्लोबल साउथ' की सामूहिक आवाज को मजबूत करने में मदद की। इथियोपिया ने भारत के साथ मजबूत रक्षा सहयोग के लिए अपनी उत्सुकता जताई। इथियोपिया ने भारतीय उद्योग और निवेश का स्वागत किया। भारत सरकार के सूत्रों के अनुसार, इथियोपिया ने विशेष रूप से भारतीय खनन कंपनियों का स्वागत किया।

प्राकृतिक आरोग्य रस



हमारे यहां ज़वावा, आंवला, लोकी, करेली, बीट (बुकन्दर), नीम का ताज़ा रस मिलता है।

अंकुरित अनाज़, अलसी और सभी प्रकार के अचार मिलते हैं।

स्थान-

- नेहरू नगर, गुरुद्वारा रोड, भेलवा पार्क के पास, संपर्क- 8962668141
- सेक्टर-1 अंबेडकर पार्क के सामने, संपर्क- 8349688865

स्थानीय बंदोबस्त की स्थापना किसने कब और कहाँ की ?

स्थायी बंदोबस्त अथवा इस्तमरारी बंदोबस्त ईस्ट इण्डिया कंपनी और बंगाल के जमींदारों के बीच कर वसूलने से सम्बंधित एक स्थाई व्यवस्था हेतु सहमति समझौता था जिसे बंगाल में लॉर्ड कार्नवालिस द्वारा 22 मार्च, 1793 को लागू किया गया। लॉर्ड कार्नवालिस का शासनकाल अपने प्रशासनिक सुधारों के लिए हमेशा याद किया जायेगा। उसने साम्राज्य विस्तार की और अधिक ध्यान न देकर आंतरिक सुधारों की ओर विशेष ध्यान दिया। कम्पनी शासन में निष्पक्षता और दृढ़ता लाने में उसे काफी सफलता मिली। उसने कम्पनी की सेवा, लगान व्यवस्था, न्याय और व्यापार सम्बन्धी अनेकों सुधार किये, लगान व्यवस्था के क्षेत्र में उसके द्वारा किया गया स्थायी बंदोबस्त (permanent settlement) ब्रिटिश शासन के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है,



कार्नवालिस (Cornwallis) का सबसे महत्वपूर्ण सुधार राज्य व्यवस्था एवं उसकी वसूली का प्रबंध करना था, अभी तक कंपनी वार्षिक ठेका के आधार पर लगान वसूलती थी, सबसे ऊंची बोली बोलने वाले को जमीन दी



जाती थी, इससे कंपनी और किसान दोनों को परेशानी होती थी, लॉर्ड कार्नवालिस ने 1793 ई. में स्थायी व्यवस्था लागू की, स्थायी बंदोबस्त के आधार पर जमींदार भूमि के स्वामी बना दिए गए, जब तक जमींदार सरकार को निश्चित लगान देते रहते थे तब तक भूमि पर उनका अधिकार सुरक्षित रहता था, लगान नहीं देने की स्थिति में उन्हें अधिकार से वंचित किया जा सकता था, सरकार के साथ किसानों को

जमीन के वास्तविक स्वामी बन गए और उनका यह अधिकार वंशानुगत था, यह वर्ग भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की जड़ को मजबूत करने में सहयोग करने लगे, दूसरी ओर भूमि पर स्थाई स्वामित्व ही जाने से वे कृषि विकास के कार्य में रुचि लेने लगे जिससे उत्पादन में वृद्धि होने लगी, उत्पादन में वृद्धि होने से जमींदारों को अधिक लाभ प्राप्त होने लगा, कंपनी को भी प्रतिवर्ष एक निश्चित आय की प्राप्ति होने लगी, वह बार-बार लगान निर्धारित करने तथा वसूलने के झंझट से मुक्त हो गए,

स्थायी बंदोबस्त से जमींदारों को लाभ

स्थायी बंदोबस्त से सबसे ज्यादा लाभ जमींदारों को हुआ, वे

जमीन के वास्तविक स्वामी बन गए और उनका यह अधिकार वंशानुगत था, यह वर्ग भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की जड़ को मजबूत करने में सहयोग करने लगे, दूसरी ओर भूमि पर स्थाई स्वामित्व ही जाने से वे कृषि विकास के कार्य में रुचि लेने लगे जिससे उत्पादन में वृद्धि होने लगी, उत्पादन में वृद्धि होने से जमींदारों को अधिक लाभ प्राप्त होने लगा, कंपनी को भी प्रतिवर्ष एक निश्चित आय की प्राप्ति होने लगी, वह बार-बार लगान निर्धारित करने तथा वसूलने के झंझट से मुक्त होकर अपना ध्यान प्रशासनिक क्षमता को बढ़ाने में लगाया, साथ ही अब लगान वसूलने के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं करने से धन की बचत होने लगी, उद्योग-धंधों



के विकास और उत्पादन में वृद्धि होने से कंपनी को काफी लाभ हुआ.

स्थाई बंदोबस्त के बुरे परिणाम

दूसरी ओर स्थायी बंदोबस्त के कई बुरे परिणाम भी निकले, स्थाई बंदोबस्त में जमींदार और कंपनी के बीच समझौता था और किसानों को जमींदारों की दया पर छोड़ दिया गया, जमींदार किसानों का बेरहमी से शोषण करने लगे, किसानों से बेगार, भेंट और उपहार लिया जाने लगा, किसानों को जमीन पर कोई अधिकार नहीं रहा, वे सिर्फ जमीन पर कार्य करते थे, इस नयी व्यवस्था के कारण किसान दिनोंदिन गरीब होते चले गए, गरीब किसानों को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए कोई कानूनी संरक्षण प्राप्त नहीं था, समाज में आर्थिक शोषण और सामाजिक विषमता की खाई बढ़ती चली गयी, जमींदार किसानों का शोषण कर धनवान बन गए और किसानों की दरिद्रता बढ़ती ही गई,

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 63 RNI/CHHBIL/44259 |छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

COMPU WORLD
The Complete Computer Shop

CONTACT US:-
Phone : 0788-4050844, 4083358
Cell No. : 9300226476, 9186157570, 9826169140
Email : revikidukan@gmail.com
16/21, Dakshin Gangotri, Circus Ground Road, Supela (C.G.)
154-156, Akash Ganga, Supela, Bhilai (C.G.)

संक्षिप्त समाचार

‘टीस’ की संवेदनाओं से ‘हण्डा’ के लोक रंग तक, रंग परब का यादगार समापन

रायपुर । संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित ‘रंग परब’ नाट्य श्रृंखला का अंतिम दिन हिंदी नाटक और छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य की प्रभावशाली प्रस्तुतियों के नाम रहा। मुक्ताकाशी मंच पर आयोजित समापन दिवस में ‘टीस’ और ‘हण्डा’ नाटकों ने दर्शकों को भावनाओं, सामाजिक सरोकारों और लोक संस्कृति के विविध रंगों से जोड़ा। दोनों प्रस्तुतियों में कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय, संवाद और मंचीय अभिव्यक्ति के माध्यम से रंगमंच की विविधता और उसकी सामाजिक भूमिका को प्रभावी ढंग से सामने रखा। अंतिम दिन की पहली प्रस्तुति हिंदी नाटक ‘टीस’ की रही। आचार्य रंजन मोडक, लोकेश साहू एवं साथियों द्वारा प्रस्तुत इस नाटक ने मानवीय संवेदनाओं और जीवन के विभिन्न पहलुओं को मंच पर प्रभावशाली ढंग से उकेरा। कलाकारों ने अपने अभिनय और संवादों के माध्यम से पात्रों की भावनात्मक स्थितियों को जीवंत किया। प्रस्तुति में मानवीय भावनाओं के साथ सामाजिक परिस्थितियों और जीवन से जुड़े संवेदनशील पक्षों को इस तरह सामने रखा गया कि दर्शक नाटक से भावनात्मक रूप से जुड़ते चले गए।



धर्मसभा में उठेंगे माता त्रिशला के 14 महास्वप्न, भगवान महावीर का होगा जन्मवांचन

रायपुर । विवेकानंद नगर स्थित ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास के अंतर्गत पर्वधाराज पर्युषण महापर्व के अवसर पर धर्मसभा में 11 सितंबर को भगवान महावीर के जीवन चरित्र और उनके पूर्व भवों का वांचन किया गया। मुनि संवेगरत्न सागर ने कल्पसूत्र ग्रंथ के माध्यम से परमात्मा के 27 भवों के चरित्र और सम्यक ज्ञान का वांचन किया। मुनिश्री ने बताया कि जैन परंपरा में इन 14 महास्वप्नों का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। भगवान के जन्म से पहले माता त्रिशला द्वारा देखे गए इन स्वप्नों को परमात्मा के आगमन के शुभ संकेत के रूप में माना जाता है। जन्मवांचन के दौरान इन महास्वप्नों के धार्मिक महत्व और उनके संदेश को श्रद्धालुओं के समक्ष विस्तार से रखा जाएगा।



डिजिटल एडिक्शन आज किसी भी अन्य एडिक्शन से अधिक खतरनाक - राज्यपाल श्री डेका

–आईसीएफआई विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में राज्यपाल हुए शामिल –19 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल तथा 16 विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल से सम्मानित –504 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई रायपुर। राज्यपाल रमन डेका आज आईसीएफआई विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में वर्ष 2025 एवं वर्ष 2026 शैक्षणिक सत्र के विद्यार्थियों को विभिन्न संकायों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पदक प्रदान किए गए, जिनमें 19 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल तथा 16 विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया शामिल हैं। स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर पर कुल 504 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई ‘विद्यार्थियों को तकनीक का सदुपयोग करते हुए इसके दुष्प्रभावों से बचने सलाह’ राज्यपाल श्री डेका ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप इंटरनेट युग के विद्यार्थी हैं, जबकि हम उस दौर के विद्यार्थी हैं, जब शिक्षा चाक,पेंसिल पुस्तकों और



गुरुओं के माध्यम से प्राप्त करते थे। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज बहुत जरूरी है, लेकिन इसका उपयोग उतना ही होना चाहिए, जितना मानव समाज के हित में आवश्यक है। आज डिजिटल एडिक्शन किसी भी अन्य एडिक्शन से अधिक खतरनाक हो गया

है। विद्यार्थियों को तकनीक का सदुपयोग करते हुए इसके दुष्प्रभावों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यूविलियर एनर्जी, वलाइमेट चेंज और माइक्रो प्लास्टिक आज दुनिया के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। 21वीं सदी में विकास के साथ उसके दूसरे पहलुओं पर भी ध्यान देना होगा और सतत विकास को प्राथमिकता देनी होगी। ‘विद्यार्थियों पढ़ाई और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रहे’

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को भगवत गीता के कर्मयोग का संदेश देते हुए कहा कि कर्म ही जीवन है। हमें इस बात की चिंता किए बिना कि दूसरे हमारे बारे में क्या सोचते हैं, अपने कर्म, पढ़ाई और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपका ज्ञान कोई आपसे नहीं छीन सकता। अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनें और सही

रास्ते पर आगे बढ़ें। ‘विद्यार्थियों को अपने जीवन का रोडमैप तैयार कर योजनाबद्ध ढंग से सफलता की ओर आगे बढ़ना चाहिए’ श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थियों ने ज्ञान और डिग्री इसलिए हासिल की है कि उसका उपयोग मानव समाज के हित में हो। विज्ञान, तकनीक और इनोवेशन का उद्देश्य मानव जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में लौह अयस्क प्रचुर मात्रा में है और यह देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। अब छत्तीसगढ़ को एजुकेशन हब के रूप में विकसित करने की दिशा में भी प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में समाज के प्रत्येक वर्ग की भूमिका महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को अपने जीवन का रोडमैप तैयार कर योजनाबद्ध ढंग से सफलता की ओर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने तथा मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील की।

निर्माण श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा पर मंथन

मुंबई में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन BOCW शुरू रायपुर। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकारों (BOCW) के कल्याण, सामाजिक सुरक्षा और श्रमिक हितों को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मुंबई में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन (ONational Conference on BOCWO) का शुभारंभ हुआ। 11 और 12 सितंबर 2026 तक आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के निर्माण श्रमिकों के सुरक्षित, सम्मानजनक और समृद्ध भविष्य पर विस्तृत चर्चा की जा रही है। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाले, मध्यप्रदेश के श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और छत्तीसगढ़ के श्रम सचिव श्री हिम शिखर गुप्ता



सहित विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी और प्रतिनिधि शामिल हुए। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व

भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामनताप सिंह तथा मंडल सचिव श्री गिरीश रामटेके ने किया। सम्मेलन के दौरान विभिन्न राज्यों ने श्रमिक हित में लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं, श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों और नए नवाचारों के अनुभवों को साझा किया। साथ ही निर्माण श्रमिकों तक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भविष्य की रणनीतियों पर रणनीति तैयार की जा रही है। यह आयोजन देश के निर्माण श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

विष्णु भैया का संबल, एनीमा खलखो की बचत से संवर रहा बच्चे का भविष्य

महतारी वंदन योजना से हर माह मिल रहे 1,000 रुपये, घरेलू जरूरतों के साथ बच्चों की पढ़ाई और पोषण में आ रही काम रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं के लिए आर्थिक संबल और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन रही है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान



की जा रही है। नियमित रूप से मिलने वाली यह राशि महिलाओं को अपनी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ परिवार के भविष्य के लिए बेहतर निर्णय लेने में भी सक्षम बना रही है। जशपुर जिले के ग्राम पुरनानगर निवासी एनीमा खलखो महतारी वंदन योजना की लाभार्थी हैं। योजना के तहत मिलने वाली राशि उनके परिवार के लिए काफी मददगार साबित हो रही है।

सेवा संकल्प अभियान को जनआंदोलन बनाने जुटेगा गरियाबंद जिला

खाद्य एवं जिले के प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल ने जनप्रतिनिधियों एवं जिला अधिकारियों की ली बैठक, भूतेश्वरनाथ मंदिर परिसर सहित जिले के विभिन्न धार्मिक स्थलों और शासकीय संस्थानों में भी होगा दीप प्रज्वलन गरियाबंद। छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल ने आज गरियाबंद के विश्राम गृह में जनप्रतिनिधियों, जिला संगठन पदाधिकारियों एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों की बैठक लेकर ‘सेवा संकल्प अभियान’ की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले एक माह के अभियान को शासन, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और समाज के सभी वर्गों की सहभागिता एवं बेहतर समन्वय के साथ व्यापक एवं प्रभावी स्वरूप दिया जाए। प्रभारी मंत्री श्री बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा, नेतृत्व और समर्पण की यात्रा देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धियों की यात्रा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने निरंतर कार्य करते हुए देश को विकास की नई दिशा दी है। अब वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर युवाओं की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है।



कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा अभियान का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे। बैठक में छत्तीसगढ़ भंडार गुह निगम के अध्यक्ष चंदुलाल साहू, राजिम विधायक रोहित साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, नगर पालिका गरियाबंद अध्यक्ष रिखीराम यादव पूर्व विधायक डमरुधर पुजारी, वरिष्ठ नागरिक अनिल चंद्राकर,अमित चिमनानी, कलेक्टर रणबीर शर्मा, एसपी वेदवत सिरमौर, डीएफओ मयंक पांडे, जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहरे, स्ना ठाकुर, नवीन भगत सहित जिला संगठन पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

17 सितंबर को शाम 7 बजे जेलम ‘आशीर्वाद का दीया’ प्रभारी मंत्री श्री बघेल ने 17 सितंबर को ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम को विशेष रूप से भव्य एवं व्यापक बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को शाम शाम 7 बजे देशभर में एक साथ दीया प्रज्वलित किए जाएंगे। गरियाबंद जिले में भी अधिक से अधिक परिवारों को इस अभियान से जोड़ते हुए दीप

प्रज्वलन कराया जाए। उन्होंने कहा कि जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों जैसे भूतेश्वर नाथ मंदिर परिसर, राजिम त्रिधेणी संगम आदि में वृहद दीप प्रज्वलन किया जाए। उन्होंने मंदिरों में भी सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलन कराने, शासकीय संस्थानों में दीप जलाने तथा नागरिकों को अपने घरों में दीप प्रज्वलित करने के लिए प्रेरित करने को कहा। उन्होंने पर्याप्त संख्या में दीप की व्यवस्था करने तथा लोगों को घर-घर संपर्क कर दीप प्रज्वलन के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम की फोटो एवं वीडियो कवरेज भी प्रभावी तरीके से कराई जाए, ताकि इस व्यापक जनभागीदारी का संदेश जिले और प्रदेश तक पहुंचे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय कर आयोजन को भव्य स्वरूप देने पर विशेष जोर दिया। ‘मेरे सपनों का भारत’ में दिखेगी बच्चों की विकसित भारत की कल्पना 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक शासकीय एवं निजी विद्यालयों में ‘मेरे सपनों का भारत’ के तहत भाषण एवं ड्राइंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रतियोगिताओं का विषय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा कार्यों और विकसित भारत की परिकल्पना से जुड़ा हो। उन्होंने कहा कि बच्चों के माध्यम से जनधन खाता, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सड़क एवं डिजिटल कनेक्टिविटी सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं से आए बदलावों को रचनात्मक रूप में सामने लाया जाए। उत्कृष्ट रचनाओं की प्रदर्शनी लगाकर प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों के खातों में प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की सहायता पहुंच रही है। प्रदेश में किसानों से 3100 रुपये प्रति किंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराने तथा भारतमाला एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी परियोजनाओं से बेहतर सड़क संपर्क विकसित करने का कार्य हो रहा है।

कंपनियों को पुलिस की सख्त हिदायत, डिलीवरी बॉय पर 10-15 मिनट में सामान पहुंचाने का दबाव नहीं

रायपुर। राजधानी में ऑनलाइन डिलीवरी सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों की सड़क सुरक्षा और नागरिकों की सुखा को लेकर यातायात पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। पुलिस उपायुक्त यातायात एवं प्रोटोकॉल डॉ. अर्चना झा ने विभिन्न ऑनलाइन डिलीवरी कंपनियों और फर्मों के संचालकों व मैनेजर्स की बैठक ली। बैठक में डिलीवरी बॉय के लिए यातायात नियमों का पालन, पुलिस चरित्र सत्यापन और तय समय सीमा में सामान पहुंचाने के दबाव को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।



बैठक में फिलफार्ट, ब्लू डार्ट, डिलीवरी डॉट कॉम, ब्लिंकट सहित अन्य डिलीवरी कंपनियों के मैनेजर और प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात राम कुमार बर्मन, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात सतीश ठाकुर और सहायक पुलिस आयुक्त यातायात रमेश येरेवार भी उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों ने कंपनियों के प्रतिनिधियों से स्पष्ट कहा कि उनके यहां काम करने वाले सभी डिलीवरी एजेंट यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। सामान जल्द पहुंचाने के चक्कर में सड़क सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए। डिलीवरी कर्मचारियों को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से वाहन चलाने के निर्देश देने की जिम्मेदारी कंपनियों की भी है। बैठक में डिलीवरी एजेंटों के लिए हेलमेट का इस्तेमाल अनिवार्य करने, रॉन्ग साइड वाहन नहीं चलाने, ओवरस्पीडिंग से बचने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई। इसके साथ ही अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन से बचने

के निर्देश दिए गए। पुलिस ने नागरिकों की सुरक्षा और विश्वास को ध्यान में रखते हुए सभी डिलीवरी कर्मचारियों का चरित्र सत्यापन अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश भी दिए। कंपनियों से कहा गया कि उनका यहाँ कार्यरत प्रत्येक डिलीवरी कर्मी का पुलिस चरित्र सत्यापन कराया जाए। ऑनलाइन डिलीवरी कर्मचारी सीधे लोगों के घरों और प्रतिष्ठानों तक पहुंचते हैं, ऐसे में कर्मचारियों का सत्यापन सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना गया है। बैठक का सबसे अहम मुद्दा डिलीवरी के लिए तय की जाने वाली समय सीमा रहा। यातायात पुलिस ने कंपनियों को समझाइश दी कि डिलीवरी बॉय पर 10 या 15 मिनट जैसी तय समय सीमा में सामान पहुंचाने का अनावश्यक दबाव नहीं बनाया जाए। पुलिस के अनुसार समय की पाबंदी और जल्द से जल्द सामान पहुंचाने के दबाव के कारण कर्मचारी हड़बड़ी में तेज गति से वाहन चला सकते हैं, जिससे सड़क दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है।

A Complete Family Garden Restaurant
Dhillon Chicken
Indian Chinese Tandoor
Garden Lawn Family Restaurant, Separate Family A.C. Room
FREE Home Delivery With in 3 K.M. 9788-4011912
VEG & NON-VEG
•Marriage & Birthday Party
•Party Catering •Party Lawn
•Door to Door Catering
New Opening at **Chopati Civic Centre Bhilai**
Near Chandulal Chandrakar Hospital, **Nehru Nagar Chowk, Bhilai (C.G.)**
Mob: 9302401912, 9301999211
Ph: 0788-4011912

उच्च शिक्षा मंत्री की पहल पर कॉलेजों में प्रवेश की तिथि बढ़ी, दाखिले अब 19 सितंबर तक

रायपुर । छत्तीसगढ़ के महाविद्यालयों में प्रवेश से वंचित रह गए विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने छात्ररहित और विद्यार्थियों की लगातार आ रही मांगों पर संवेदनशीलता एवं सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए कॉलेजों में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। इस निर्णय के बाद अब राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में रिक्त सीटों पर छात्र 19 सितंबर 2026 तक प्रवेश ले सकेंगे।



उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) से इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश के अनुसार, सत्र 2026-27 के लिए पूर्व में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 निर्धारित की गई थी। हालांकि, कई छात्र-छात्राओं के आवेदन एवं सीटें रिक्त होने की स्थिति को ध्यान में रखते हुए

तिथि में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया।

इस मामले पर उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं और छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किसी भी मेधावी या इच्छुक छात्र का साल खराब न हो, इसी सोच के साथ प्रवेश की तिथि बढ़ाई गई है। इस निर्णय से उन सभी विद्यार्थियों को अवसर मिलेगा जो किसी कारणवश अब तक दाखिला नहीं ले पाए थे। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि जो छात्र – छात्राएं अभी तक प्रवेश नहीं ले पाए हैं,ऐसे विद्यार्थी जल्द प्रवेश प्रक्रिया को पूर्ण करें।

जारी निर्देश के तहत, उच्च शिक्षा संचालनालय को निर्देशित किया गया है कि वे सभी संबंधित शैक्षणिक संस्थानों में रिक्त सीटों की स्थिति के आधार पर 19 सितंबर 2026 तक पारदर्शी प्रक्रिया से प्रवेश संपन्न कराएं। शासन के इस फैसले से प्रदेशभर के हजारों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने राहत की सांस ली है।

कुपोषण पर कड़ा प्रहार : नारायणपुर के 13 हजार से अधिक स्कूली बच्चों को अब रोजाना मिलेगा नाश्ता

आंगनवाडियों में लड्डू योजना का भी आगाज

रायपुर । छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबुझमाड़ के प्रवेश द्वार नारायणपुर में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और नियमित शिक्षा की दिशा में एक नई और क्रांतिकारी शुरुआत हुई है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत जिले के प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत 13 हजार से अधिक विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क पौष्टिक नाश्ता योजना का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही जिले के आंगनवाडी केंद्रों में बच्चों को कुपोषण से पूरी तरह मुक्त करने



के उद्देश्य से पौष्टिक लड्डू वितरण कार्यक्रम की भी शुरुआत की गई। जिले के प्रभारी मंत्री टंक राम वर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप ने इस दूरगामी पहल का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया और स्वयं अपने हाथों से नून्हे-मुन्हे बच्चों को स्वादिष्ट एवं पौष्टिक नाश्ता परोसकर उनका

उत्साहवर्धन किया। यह महत्वाकांक्षी पहल नारायणपुर और ओरछा (अबुझमाड़) विकासखंड के कुल 476 विद्यालयों में लागू की जा रही है, जिससे 13 हजार 15 स्कूली बच्चे सीधे लाभान्वित होंगे। योजना के तहत हर विद्यार्थी को प्रतिदिन 150 ग्राम ताजा और सेहतमंद नाश्ता दिया जाएगा। बच्चों के स्वाद और पोषण का विशेष ध्यान रखते हुए दिन के हिसाब से एक संतुलित मेन्यू तय किया गया है, जिसमें पोहा-फलींदाना, सूजी का उपमा, दलिया, चना, खड़ा मूंग और मूंगफली जैसे प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थ शामिल हैं।